हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 8 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 36 .3 डिग्री
न्यूनतम 15 .6 डिग्री

12 ऊर्जा मंत्री अनिल विज का विधानसभा अध्यक्ष ने जाना हालचाल

12 होनहार बेटी सुहासिनी मित्तल ने बढ़ाया कस्बे का गौरव, यूपीएससी में मिला 413वां रैंक

खबर संक्षेप

काउंटर का दराज तोड़कर 53 सौ रुपये चोरी

यमुनानगर। शहर की सरोजनी कालोनी स्थित मकान से चोरों ने काउंटर का दराज तोड़कर 53 सौ रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सरोजनी कालोनी निवासी डॉक्टर चंद्र मोहन तुली ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह छह मार्च को दोपहर तीन बजे घर से किसी काम से बाहर गया था। जब कुछ देर बाद वापस लौटा तो घर में बना चैंबर टूटा पड़ा था और अंदर काउंटर की दराज से 53 सौ रुपये गायब थे।

घर में घुसकर महिला पर चाकू से किया हमला

यमुनानगर। गांव किशनपुरा दामला में एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक घर में घुसकर महिला पर चाकू से हमला कर दिया। उसे छुड़ाने आए युवक पर भी आरोपियों ने लाठी से हमला कर उसकी बाजू तोड़ दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद एक युवक को नामजद करते हुए कुछ अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। गांव किशनपुरा दामला निवासी लाजो देवी ने सदर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव दामला निवासी राशिद ने अपने साथियों के साथ मिलकर 19 फरवरी को रात 10 बजे उनके घर में घुसकर उस पर चाकू से हमला कर दिया।

9 मार्च को किसान संसद पर करेंगे प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर 9 मार्च को संसद पर होने वाले धरना-प्रदर्शन में व 10 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा सारे देश में ईरान पर युद्ध के खिलाफ अमेरिकी के राष्ट्रपति ट्रम्प व इसराइल के राष्ट्रपति नेतन्याहू के पुतला दहन कार्यक्रम में आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन बढ़-चढ़कर हिस्सा लेगा। यह जानकारी संगठन के जिलाध्यक्ष कामरेड राजकुमार सारसा व जिला सचिव कामरेड कृष्ण चंद ने जारी बयान में दी।

इमिग्रेशन कारोबारी को 5.50 करोड़ का चूना

अंबाला। इमिग्रेशन कारोबारी हेमंत से 5.5 करोड़ की धोखाधड़ी हो गई। साइबर ठगों ने ऑनलाइन ताश के पत्तों की गेमिंग के जरिए उसे अपने जाल में फंसाया था। पीड़ित हेमंत ने बताया कि शुरुआत में 49 हजार 999 रुपये राशि डाली थी।आईडी बनाने के बाद साइबर ठग ने कहा था कि इसे आप और हम दोनों चला सकते हैं। बाद में आरोपियों ने व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल कर आईडी से एक ताश के पत्तों की गेम खेलकर दिखाई। मुनाफा दिखाते हुए 75000 प्वाइंट दिखा दिए।रुपये निकालने के लिए कम से कम खाते में 1.50 लाख प्वाइंट होने की बात कही थी।

मरीजों ने झेली परेशानी, घरौंडा में डॉक्टरों और पुलिस के बीच विवाद का असर

नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

घरौंडा में डॉक्टरों और पुलिस के बीच विवाद का असर शनिवार को जिले के स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ दिखाई दिया। विरोध स्वरूप डॉक्टरों द्वारा की गई हड़ताल के चलते जिला के लोकनायक जयप्रकाश नागरिक अस्पताल की व्यवस्था पूरी तरह डगमगा गई। दूर-दराज से आए मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हड़ताल का सबसे बुरा असर गर्भवती महिलाओं पर पड़ा। अस्पताल में नियमित जांच और प्रसव के लिए पहुंचीं कई महिलाओं को डॉक्टर न मिलने के कारण मायूस होकर लौटना पड़ा। पीड़तिों ने बताया कि जिन महिलाओं का आज ऑपरेशन प्रस्तावित था, डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते उन्हें भी बिना उपचार वापस जाना पड़ा। इलाज के लिए आए ग्रामीण नसीब, पाला राम व महिला पाखी ने बताया कि वे इलाज के लिए सुबह ही अस्पताल में पहुंच गए थे। जब रजिस्टेशन काउंटर पर पर्ची बनवाने के लिए लाइन में लगे तो पता चला कि डाक्टरों की हड़ताल है। ऐसे में उन्हें मायूस होकर वापस जाना पड़ रहा है। घरौंडा के सरकारी अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर और पुलिस के बीच हुआ विवाद सुलझता दिखाई नहीं दे रहा है। थाना प्रभारी दीपक कुमार और प्रकरण में शामिल अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदेश भर के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। डॉक्टर एसोसिएशन के आह्वान पर जिले भर में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी है। उनका कहना है कि जब तक उनके अनुसार कार्रवाई नहीं होती, वे काम पर नहीं लौटेंगे। बतां दे कि बुधवार शाम घरौंडा के सरकारी अस्पताल में एमएलसी को लेकर पुलिस और ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल ऑफिसर डॉ. प्रशांत के बीच विवाद हो गया था। आरोप है कि पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और बातचीत के दौरान मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में बहस हो गई। डॉक्टरों का कहना है कि इस दौरान थाना प्रभारी ने मेडिकल ऑफिसर के साथ अभद्र व्यवहार किया और उनका कॉलर पकड़ थप्पड़ जड़ा। मामले का वीडियो सामने आने के बाद डॉक्टर एसोसिएशन ने इसे चिकित्सा पेशे की गरिमा पर हमला बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

कुरुक्षेत्र। खाली पड़ी अस्पताल की ओपीडी।

कुरुक्षेत्र। खाली पड़ा अस्पताल का रजिट्रेशन काउंटर।

डॉक्टरों की हड़ताल से बंद रही सरकारी अस्पतालों में ओपीडी, परेशान रहे मरीज

■ जिला करनाल के घरौंडा में चिकित्सक के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा की गई मारपीट के विरोध में हड़ताल पर रहे डॉक्टर

यमुनानगर। जिला करनाल के घरौंडा में चिकित्सक के साथ पुलिस अधिकारी द्वारा की गई मारपीट के विरोध में शनिवार को जिले के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल रहे। इस दौरान ओपीडी सेवाएं बंद रहीं। जिससे अस्पताल में पहुंचे मरीजों को बिना दवाई मिले ही वापस लौटना पड़ा। जिस कारण मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि अस्पतालों में इमरजेंसी सेवाएं सामान्य रूप से जारी रहीं। जिससे गंभीर मरीजों को प्राथमिक उपचार मिलता रहा।शनिवार को हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के आह्वान पर सिविल अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर रहे। इस दौरान डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाएं बंद रखी। सुबह से ही बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, लेकिन ओपीडी बंद होने के कारण उन्हें बिना इलाज के ही लौटना पड़ा।ओपीडी बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी सामान्य जांच और परामर्श के लिए आए मरीजों को हुई। कई मरीज दूर-दराज के गांवों से अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन डॉक्टरों के न मिलने से उन्हें मायूस होकर वापस जाना पड़ा। कुछ मरीजों ने मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख किया।शहर के कैंप निवासी सुमित ने बताया कि उसको कई दिन से बुखार है। वह डॉक्टर से दवाई लेने के लिए सिविल अस्पताल आया था। मगर यहां आकर पता चला कि आज डॉक्टर हड़ताल पर हैं। जिस कारण उसे अब निजी अस्पताल में दवाई लेने के लिए जाना पड़ेगा। इसी प्रकार अन्य मरीजों को भी ओपीडी बंद होने के कारण बिना दवाई के ही वापस लौटना पड़ा। हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ. विपिन गोंदवाल व डॉ. पुनित कालड़ा ने बताया कि यह हड़ताल डॉक्टरों की सुरक्षा और सम्मान को लेकर की गई है। उन्होंने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

चिकित्सकों की हड़ताल जारी, बोले सुरक्षा करे सरकार, हड़ताल से सरकारी अस्पतालों में व्यवस्था चरमराई

अंबाला। करनाल में एक डॉक्टर के साथ हुई मारपीट के मामले का असर अंबाला में भी देखने को मिल रहा है। सरकारी डॉक्टर अपनी ओपीडी छोड़कर हड़ताल पर बैठ गए है। हालांकि डॉक्टरों में भी मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है। डेंटल, बाल ओपीडी सहित कुछ डॉक्टर अपनी ओपीडी संभाल रहे हैं। सिविल सर्जन अंबाला डॉ. रेनू बेरी की तरफ से वैकल्पिक व्यवस्था की तौर पर ओपीडी में ट्रेनी डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में ओपीडी सेवाएं चरमरा रही है। स्पेशलिस्ट डॉक्टर न होने के कारण मरीज लौट रहे हैं। सबसे ज्यादा असर कैंट, सिटी व नारायणगढ़ के तीनों मुख्य सरकारी अस्पतालों में देखने को मिल रहा है। सरकारी डॉक्टरों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा पहले होनी चाहिए ताकि वह बिना किसी दबाव के मरीजों का उपचार कर सकें। हालांकि एमरजेंसी सेवाएं चालू हैं।

कुरुक्षेत्र। महिला को आदेश की प्रति दिखाते पुलिस अधिकारी।

महिला आरोपी को एक साल के लिए किया पाबंद, भेजा जेल

■ नशा तस्करी में शामिल आरोपियों के खिलाफ कुरुक्षेत्र पुलिस की सख्त कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुक्षेत्र

नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए एक महिला आरोपी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। कुरुक्षेत्र पुलिस ने हरियाणा सरकार के आदेशानुसार नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गांधीनगर वासी महिला को (पीआईटी/एनडीपीएस एक्ट) के तहत एक वर्ष के लिए पाबंद कर जिला कारागार भेज दिया है। जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस नशा तस्करी की चेन तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही है। इसी क्रम में गांधीनगर वासी महिला आरोपी पार्वती को एक वर्ष के लिए पाबंद करते हुए कारागार भेजा गया है। आरोपी महिला के खिलाफ जिला कुरुक्षेत्र के थाना कृष्णा गेट, शहर थानेसर व सदर थानेसर में एनडीपीएस एक्ट के तहत पांच मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि महिला आरोपी के खिलाफ पीआईटी (एनडीपीएस एक्ट) के तहत कार्रवाई करने के लिए हरियाणा सरकार से पत्राचार किया गया था। सरकार से अनुमति मिलने के बाद आरोपी को पाबंद कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई।

बार-बार अपराध पर पीआईटी एक्ट के तहत होती है कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल ने बताया कि पीआईटी (एनडीपीएस एक्ट की धारा-3) के तहत यदि कोई आरोपी नशीले पदार्थों के मामलों में बार-बार संलिप्त पाया जाता है, तो राज्य सरकार की अनुमति लेकर उसे अपराध करने से रोकने के लिए एक निश्चित अवधि के लिए पाबंद कर कारागार भेजा जा सकता है। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र पुलिस अब तक दो आरोपियों के खिलाफ इस धारा के तहत कार्रवाई कर चुकी है और भविष्य में भी नशा तस्करों के खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पीआईटी एक्ट के तहत हुई कार्रवाई: डीएसपी मुख्यालय

जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला पुलिस नशा तस्करी की चेन तोड़ने के लिए लगातार अभियान चला रही है। डीएसपी सुनील कुमार ने बताया कि कुछ समय पहले जिला पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा-3 के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल आरोपी जिशान खान उर्फ माटा वासी बपदा जिला कुरुक्षेत्र व सौरभ उर्फ वैरभ वासी वशिष्ठ कॉलोनी थानेसर को पाबन्द करके जिला कारागार भेजने की कारवाई की गई थी। अब गांधीनगर वासी महिला आरोपी के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा की भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

पूर्व सीएम हुड्डा दें धर्मेंद्र के आरोपों का जवाब

■ पूर्व सीएम भूपेंद्र व इनके सांसद पुत्र को आरोपी धर्मेंद्र के आरोपों का जनता के सामने जवाब देना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत। युवा नेता व समाजसेवी जितेंद्र संधू प्रेस वार्ता करते हुए।

हरियाणा में जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान रोहतक में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु संधू के बंगले को आग में जलाने के मामले ने हरियाणा की राजनीति गरमाने लगी है। वहीं, कैप्टन अभिमन्यु के बंगले को जलाने के केस में भगोड़ा घोषित आरोपी धर्मेंद्र हुड्डा द्वारा विदेश से जारी किए गए वीडियो यह बता रहे है कि कैप्टन अभिमन्यु का बंगला साजिशन जलाया गया था। इधर, कैप्टन अभिमन्यु का बंगला जलाने के मामले में जींद की सतरोल महापंचायत में अग्रणी भूमिका निभाने वाले युवा नेता व समाजसेवी जितेंद्र संधू निवासी गांव निजामपुर जिला पानीपत ने प्रेस वार्ता में कैप्टर अभिमन्यु का बंगला जलाने के मामले में पूर्व मुख्यमत्री भूपेंद्र हुड्डा और इनके सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर गंभीर आरोप लगाए है। जितेंद संधू ने कहा कि यदि इस जघन्य कांड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का नाम सामने आ रहा है, तो उन्हें चुप्पी तोड़नी चाहिए।

जितेंद्र संधु ने कहा कि इस मामले में भगौड़े आरोपी धर्मेंद्र हुड्डा द्वारा जारी किए गए वीडियों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर लगाए गए आरोपों ने साफ कर दिया है कि युवाओं को मोहरा बनाकर बड़ी राजनीतिक साजिश के तहत कैप्टन अभिमन्यु के बंगला जलाया गया था। वहीं, जितेंद्र संधु ने कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुडा और इनके सांसद पुत्र दीपेंद्र हुड्डा का नाम कैप्टन अभिमन्यु के बंगले में आगजनी के मामले में उछल रहा है, तो दोनों को जनता के सामने आ कर इसका जवाब देना चाहिए।

हुड्डा पिता व पुत्र जनता के प्रति अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकते। उन्होंने प्रदेश सरकार से भी इस मामले की नए सिरे से जांच करवाने की मांग करते हुए कहा कि कैप्टन अभिमन्यु के बंगले में आगनजी के असली मास्टरमाइंड का चेहरा जनता के सामने लाया जा ना चाहिए।

फाग वाले दिन से लापता युवक का शव मिला

पानीपत। पानीपत के महमदपुर गांव में होली के दिन लापता हुए 23 वर्षीय कालू का शव रेलवे ट्रैक पर से निर्वस्त्र हालत में मिला। वहीं

■ परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप, जीआरपी ने जांच शुरू की

कालू के शरीर पर चोट के निशान मिल है। इधर, परिजनों ने कालू के एक दोस्त पर हत्या का आरोप लगाते हुए दावा किया कि फाग वाले दिन वह कालू को घर से बुलाकर अपने साथ ले गया और उसकी हत्या की और इसे हादसा दिखाने के लिए शव को रेलवे ट्रैक पर फैंक दिया। इधर, घटना की सूचना मिलने पर जीआरपी व एफएसएल की टीम ने शव व घटनास्थल की जांच की। जांच पूरी होने के बाद जीआरपी ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया।

अमेरिका-भारत ट्रेड डील के विरोध में 10 को निकाला जाएगा ट्रैक्टर मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंद्री

इंद्री। अनाज मंडी इंद्री मे अमेरिका-भारत ट्रेड डील के विरोध मे नारेबाजी करते किसान।

भारतीय किसान यूनियन (चढ़ुनी) की मीटिंग अनाज मंडी इंद्री में हलका प्रधान मनजीत चौगांवा की अध्यक्षता में हुई । मीटिंग में मुख्य रूप से भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष रामपाल चहल मौजूद रहे । इस मौके पर रामपाल चहल व मंजीत चौगांवा ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भाकियू द्वारा अमेरिका - भारत ट्रेड डील को रद्द करवाने की मांग व धान घोटाले को लेकर आंदोलन चलाया हुआ है । उसी को लेकर पूरे प्रदेश में 10 मार्च को प्रदेश की सभी तहसीलों पर ट्रैक्टर मार्च निकालकर ज्ञापन सौंपा जाएगा । इंद्री मे यह ट्रैक्टर मार्च अनाज मंडी इंद्री स्थित किसान विश्राम गृह से शुरू होकर शहर के बाजारों से होता हुआ सिंचाई विभाग के विश्राम गृह मे पहुंचेगा और अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। उन्होने बताया कि 23 मार्च को पिपली अनाज मंडी में विशाल जन क्रांति रैली का आयोजन किया जाएगा । जिसमे भारी संख्या में किसानों को पहुंचने की अपील की गई ताकि अमेरिकी ट्रेड डील को रद्द करवाया जा सके । इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से सरसों की सरकारी खरीद शीघ्र शुरू करवाने की मांग की । उन्होंने कहा कि सरसों की सरकारी खरीद शुरू नहीं होने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है जिसके चलते किसानों मे रोष पनप रहा है । इस दौरान किसानों ने अमेरिका - भारत ट्रेड डील के विरोध मे नारेबाजी कर रोष जताया । इस मौके पर रघबीर मोर, छबेग सिंह, मनदीप मढान, जसविंद्र व राहुल कलसौरा सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे

रंजिशन युवक पर तलवारों से हमला कर किया जान से मारने का प्रयास

■ घायल युवक का अस्पताल में चल रहा इलाज

■ पुलिस ने पांच आरोपी युवकों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

शहर के चिट्टा मंदिर रोड स्थित सतकार मेडिकल के पास रंजिश के चलते करीब आधा दर्जन युवकों ने शहर के विकास नगर निवासी संदीप पर तलवारों से हमला कर जान से मारने का प्रयास किया। घायल युवक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद पांच आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के विकास नगर निवासी संदीप ने शहर यमुनानगर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले कुणाल व अमन राणा के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था मगर इसके बाद से आरोपी उससे रंजिश रखने लगे। संदीप ने बताया कि पांच मार्च को रात नौ बजे वह शहर के चिट्टा मंदिर रोड से जा रहा था।

जब वह सतकार मेडिकल के पास पहुंचा तो आरोपी कुणाल, अमन राणा, वरुण, सिब्बी व अरुण ने उसे रोक लिया और उस पर तलवारों, विंडो व रॉड लगी गरारी से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में उसके पेट, बाजू, टांगों पर गंभीर चोटें आई है। शोर सुनकर जब आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। उसने घटना की सूचना परिजनों को दी। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी।

शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव से युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को अगवा कर लिया। पुलिस ने युवती के परिजनों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार छछरौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी 21 वर्षीय लड़की पांच मार्च को सुबह नौ बजे किसी काम से बाहर गई थी मगर उसके बाद वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कुछ भी पता नहीं चला। जांच के दौरान उन्हें मालूम हुआ कि उसकी लड़की को गांव नगला निवासी प्रिंस शादी का झांसा देकर अगवा करके ले गया है। उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

विकास महेशनगर से डिफेंस कालोनी तक हर कालोनी में डलेगा ड्रेनेज सिस्टम

पहले चरण में बीसी बाजार, लालकुर्ती, गोविंदनगर सहित कई कालोनियों में बिछेगी स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन

अंबाला छावनी की बदलेगी सूरत, 58 करोड़ से बिछेगी 89 किमी लंबा स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम के जरिए अंबाला छावनी में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया जाएगा। सदर क्षेत्र में पहले ही स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज सिस्टम सफलतापूर्वक डाली जा चुकी है जिसका लोगों को लाभ मिल रहा है। अब शेष अंबाला छावनी में इसे यहीं ड्रेनेज पाइपलाइन का जाल बिछाया जाएगा।। दो चरणों में अंबाला छावनी में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डालने का कार्य पूरा होगा। पहले चरण के तहत लगभग 58 करोड़ रुपए की लागत से 89 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन डालने के कार्य को मंजूरी मिल चुकी है जबकि दूसरे चरण के कार्य को जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ अम्बाला छावनी में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा की। विज ने बताया कि प्रोजेक्ट के पहले चरण में 58 करोड़ की लागत से बीसी बाजार, लालकुर्ती, आउटर लार्ज रोड (बिजली बोर्ड दफ्तर से एसडी विद्या स्कूल तक), ट्रिब्यून कालोनी, गोविंद नगर, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, सुभाष कालोनी, कस्तूरबा कॉलोनी के अलावा अन्य कॉलोनियों में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डाली जाएगी।

अंबाला। पाइपलाइन को लेकर अधिकारियों से बातचीत करते मंत्री अनिल विज।

योजना तैयार है और बहुत जल्द जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन के डलने से कॉलोनियों व अन्य स्थानों पर अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेगा। ओपन नालियों को बंद किया जाएगा जिससे जल निकासी तो बेहतर होगी साथ ही लोगों को गंदगी से भी भारी राहत मिलेगी व उनका जीवन सुखद बनेगा। इसी प्रकार प्रोजेक्ट के दूसरे चरण के अंतर्गत जगाधरी रोड के दूसरी तरफ महेशनगर से लेकर अंतिम छोर में बसी डिफेंस कॉलोनी तक सारी कालोनियों में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डलेगी।

सदर क्षेत्र में प्रभावी साबित हुई पाइप लाइन

मंत्री अनिल विज के प्रयासों से सदर बाजार क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन पहले ही डाली जा चुकी है जिसका जनता को लाभ मिल रहा है। सदर क्षेत्र में 12 क्रास रोड तक लगभग 144 बड़े व छोटे नालों को स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डालकर भूमिगत किया गया था। स्ट्रॉम वॉटर लाइन डलने से बरसातों के समय पानी निकासी बेहतर रही थी। इतना ही नहीं सदर क्षेत्र के मुख्य सेंट्रल नाले को भी स्ट्रॉम वॉटर लाइन डालकर भूमिगत किया गया था। सदर एरिया में नाले भूमिगत होने से गंदगी व मक्खी-मच्छरों से लोगों को निजात मिली है और क्षेत्र में साफ-सफाई पहले से बेहतर हो रही है।

खबर संक्षेप

छात्राओं के हरियाणा भ्रमण कार्यक्रम के बारे में चर्चा

कुरुक्षेत्र। वनवासी कल्याण आश्रम की कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा मेजर नितिन बाली गीता निकेतन विद्या मंदिर, सुंदरपुर में एक बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता जय भगवान द्वारा की गई। बैठक में वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा संचालित रुद्रपुर छात्रावास के छात्राओं द्वारा आगामी 10 अप्रैल को हरियाणा भ्रमण के समय कुरुक्षेत्र आगमन की व्यवस्था करने सम्बन्धित कार्यकतार्ओं की ड्यूटी लगाना रहा। इस बैठक में महेंद्र कुमार नरेश, रामचंद्र सैनी, राज सिंह राठी, जय भगवान, सुधीर कोटयान, मंजुला शर्मा, मान सिंह, जगमोहन बंसल, परविन्द्र कुमार, कमलदीप सेतिया आदि उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सीजेरियन ऑपरेशन मुफ्त

कुरुक्षेत्र। मथाना के एसएमओ डा. सुरेश सहोता ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना मे हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों अनुसार सफल दो बच्चे एक लडका और एक लडकी आप्रेशन से पैदा हुए है। सम्बन्धित ऑपरेशन मे दोनों माता व शिशु पूर्णतः स्वस्थ है । जिसमे एक माता गांव मथाना एवं द्वितीय गांव बीड पिपली के निवासी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना में सिजेरियन ऑपरेशन निशुल्क है। उन्होंने कहा कि आमजन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना 24&7 प्रसव सेवाओ का लाभ ले सकते है तथा आप्रेशन से होने वाले बच्चों का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मथाना मे निशुल्क लाभ ले सकते हैं।

घरौंडा विवाद : डॉक्टरों ने पूरे प्रदेश में ओपीडी सेवाएं बंद की

डॉक्टर्स बोले, एसएचओ पर कार्रवाई तक जारी रहेगा विरोध

सरकारी अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुई कथित मारपीट का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल जिले के घरौंडा स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टर के साथ हुई कथित मारपीट के मामले को लेकर मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा और पुलिस प्रशासन के बीच विवाद गहराता जा रहा है। घटना के विरोध में प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों ने ओपीडी सेवाएं बंद कर दीं, जिससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल ने करनाल रेंज के आईजी रवि किरण से मुलाकात कर घरौंडा के एसएचओ और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की। हालांकि आईजी की ओर से मामले में विभागीय जांच की बात कही गई, जिससे डॉक्टर संतुष्ट नहीं हुए। मेडिकल एसोसिएशन हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव के नेतृत्व में 4-5 डॉक्टरों का प्रतिनिधिमंडल आईजी कार्यालय पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। डॉक्टरों ने कहा कि जब तक एसएचओ और संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक विरोध जारी रहेगा। आईजी रवि किरण ने डॉक्टरों को बताया कि संबंधित एसएचओ को पहले ही निलंबित कर लाइन हाजिर किया जा चुका है और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और यदि डॉक्टर चाहें तो किसी अन्य पुलिस अधिकारी या सिविल अधिकारी से भी जांच करवाई जा सकती है।

करनाल सिविल अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर के बाहर डॉक्टरों द्वारा लगाए गए विरोध के बैनर। *फोटो : हरिभूमि*

संतोषजनक जवाब नहीं मिला

मीडिया से बातचीत में डॉ. अनिल यादव ने कहा कि एसोसिएशन को अभी तक संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने पुलिस को संदेश देने के लिए ओपीडी सेवाएं बंद करने का फैसला लिया है। हालांकि इमरजेंसी सेवाएं, पोस्टमार्टम, नर्सरी और लेबर रूम जैसी जरूरी सेवाएं जारी रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन केवल एफआईआर दर्ज कराने की मांग कर रही है। यदि एफआईआर दर्ज कर दी जाती है तो मामला काफी हद तक सुलझ सकता है। लेकिन जब तक एफआईआर दर्ज नहीं होगी, तब तक ओपीडी सेवाएं बंद रहेंगी।

4 मार्च को हुई थी घटना

4 मार्च को घरोंडा के सरकारी अस्पताल में कुछ मरीज मेडिकल कानूनी जांच के लिए पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान मरीजों और ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर प्रशांत के बीच कहासुनी हो गई। स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टर ने पुलिस को फोन कर मदद मांगी। अस्पताल स्टाफ के मुताबिक फोन पर डॉक्टर और पुलिस के बीच बातचीत के दौरान कथित तौर पर डॉक्टर द्वारा एसएचओ को अपशब्द कहे जाने की बात सामने आई। इसके बाद एसएचओ अस्पताल पहुंचा और डॉक्टर को थप्पड़ मारने का आरोप लगा।

प्रेम नगर में लगा योग, आयुर्वेद व प्राकृतिक चिकित्सा शिविर

237 मरीजों की जांच कर दी गई मुफ्त दवाइयां, योग के प्रति किया जागरूक

- 75 से अधिक योग साधकों ने योगाभ्यास किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल के मार्गदर्शन में आर्य समाज प्रेम नगर में निशुल्क योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्वतंत्रता सेनानी महाशय रामशरण आर्य के पुत्र स्वर्गीय ओम प्रकाश अंशु और उनकी पत्नी स्वर्गीय शोभा रानी की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा योग आयोग के अध्यक्ष डॉ. जयदीप ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को अपनी दिनचर्या में शामिल करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से अनेक रोगों से बचाव संभव है।

करनाल। राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस पर लगाया दंत चिकित्सा शिविर।

शिविर के नोडल अधिकारी डॉ. नितिन रोहिल्ला ने बताया कि सुबह 5 से 7 बजे तक विभिन्न रोगों के लिए विशेष योगाभ्यास करवाया गया। योग विशेषज्ञ डॉ. अमित पुंज के मार्गदर्शन में 75 से अधिक योग साधकों ने योगाभ्यास किया। इसके बाद सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चिकित्सा शिविर में 237 मरीजों की निशुल्क जांच की गई तथा उन्हें परामर्श और दवाइयां भी मुफ्त दी गईं। डॉ. सिमरन देवगन और डॉ. दीपशिखा ने रोगियों को चिकित्सकीय सलाह दी। आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण आशीष रोहिल्ला और जोगिंदर कुमार द्वारा किया गया। वहीं डॉ. अमित पुंज, सोनू पाल, रीटा और कुसुम रानी ने योग चिकित्सा के अभ्यास भी बताए। इस मौके पर पतंजलि योग समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सुदेश गोसाई, हरिंदर आर्य, अजयदीप आर्य, सुमित शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

स्वामी भीष्म लाइब्रेरी के एक और पाठक का सरकारी नौकरी में चयन

घरौंडा। घरौंडा स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में 26 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हुआ।लाइब्रेरी के पाठक अजय कुमार गगसीना का चयन प्रादेशिक सेना दिल्ली केंट में कॉस्टेबल के पद पर हुआ।शुक्रवार को अजय मिठाई लेकर स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में पहुंचा जहां पर लाइब्रेरियन संदीप लोहट व रमेश कुमार ने अजय को मिठाई खिलाकर सरकारी जॉब में चयनित होने पर बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। लाइब्रेरियन सन्दीप लोहट ने बताया कि नगरपालिका के द्वारा लाइब्रेरी का संचालन किया जा रहा है जहां पर दर्जनों गांव के लगभग 80 से 85 युवा हरोज लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए आते हैं। लाइब्रेरी में अभी तक 26 से अधिक पाठकों का विभिन्न सरकारी विभागों में चयन हो चुका है।लाइब्रेरी में पाठकों की आवश्कताओं को ध्यान में रखते हुए समय समय पर कई प्रतियोगिता भी कराई जा रही हैं जिससे लाइब्रेरी में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वालें पाठकों को स्वयं का मूल्यांकन करने में सहायता होती है। अजय कुमार ने बताया कि वह कई सालों से घरौंडा की स्वामी भीष्म लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां कर रहा था आज मेरी मेहनत रंग लाई और मेरा चयन प्रादेशिक सेना में हो गया। उन्होंने बताया कि लाइब्रेरी का वातावरण शांत रहता है सभी पाठक मन लगा कर तैयारी करते हैं।लाइब्रेरी में समय समय पर मोटिवेशनल कार्यक्रम भी होते रहते हैं जिनसे पाठकों का उत्साह बढ़ता है व तैयारी करने का मार्गदर्शन मिलता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के दूसरे दिन नशे के दुष्परिणामों की दी जानकारी

- ड्रग अवेयरनेस विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंद्री

शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय, मटक माजरी इंद्री की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन का शुभारंभ एन एस एस गीत के साथ किया गया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर पूजा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें स्वयं नशा न करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नशा न करने के लाभ तथा नशे के सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्हें जागरूक किया। डिजिटल लिटरेसी और ड्रग अवेयरनेस विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। डॉ. बाल ऋषि ने सभी स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों तथा समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए युवाओं की भूमिका के बारे में अवगत कराया।

इंद्री। ड्रग अवेयरनेस विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता मे भाग लेते विद्यार्थी ।

दांतों की जांच कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

इंडियन डेंटल एसोसिएशन की करनाल इकाई द्वारा राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न संस्थानों में दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में लोगों के दांतों की जांच के साथ-साथ उन्हें दंत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया गया। तपन रिहेलिबिटेशन सेंटर नीलोखेड़ी, एमडीडी बाल भवन फूसगढ़, श्रद्धानंद अनाथालय सदर बाजार, अलख फाउंडेशन सेक्टर-33 और निर्मल धाम मॉडल टाउन में आयोजित शिविरों में डॉक्टरों ने लोगों के दांतों का परीक्षण किया और उन्हें दांतों की सही देखभाल के तरीके बताए। एसोसिएशन के प्रधान डॉ. अंकुर कंसल ने कहा कि हर वर्ष राष्ट्रीय दंत चिकित्सक दिवस मनाकर दंत चिकित्सकों के योगदान को सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि दंत चिकित्सकों की मदद से लोगों की दांतों से जुड़ी समस्याओं का समाधान संभव हो पाता है और स्वस्थ मुस्कान बनाए रखने में सहायता मिलती है। सचिव डॉ. नितिन तनेजा और कोषाध्यक्ष डॉ. दिव्या गुप्ता ने कहा कि इस दिन का उद्देश्य लोगों को दंत स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक करना भी है। इस अवसर पर डॉ. सुनील चांदना, डॉ. नीरू चांदना, डॉ. भारत चौधरी, डॉ. सृष्टि, डॉ. परमिंद्र सहगल, डॉ. नेहा, डॉ. नीरज नारंग, डॉ. निशा, डॉ. यशिका, डॉ. प्रेजी चौधरी, डॉ. चैतन्य, डॉ. साहिल गर्ग, डॉ. गौरव ठाकुर सहित अन्य डॉक्टर मौजूद रहे।

स्वयंसेवकों ने चलाया सफाई अभियान

करनाल। गुरु नानक खालसा कॉलेज द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने काछवा गांव में स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान गांव के पंचायत घर, सामुदायिक केंद्र, पाल चौपाल और बस स्टैंड क्षेत्र में सफाई की गई। स्वयंसेवकों ने सफाई करते हुए ग्रामीणों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने का संदेश दिया। शिविर के दूसरे सत्र में करनाल जिले के पहले पद्मश्री सम्मानित सुलतान सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए उद्यमशीलता पर व्याख्यान दिया और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत, धैर्य और सकारात्मक सोच बहुत जरूरी है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को उद्यमिता से जुड़ी चुनौतियों के बारे में भी जानकारी दी। कॉलेज प्रबंधन समिति के प्रधान सरदार कंवरजीत सिंह प्रिंस और प्राचार्य डॉ. चूहड़ सिंह ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए

नई फैंटेसी राइड सुविधा का किया उद्घाटन

- कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद्, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक इकाई कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केंद्र में आधुनिक तकनीक पर आधारित नई फैंटेसी राइड सुविधा का उद्घाटन मुख्य अतिथि विश्राम कुमार मीना, आईएएस, उपायुक्त, कुरुक्षेत्र द्वारा विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील धींगरा, निदेशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विजय शंकर शर्मा, निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली, डॉ. सुरेश कुमार सोनी, परियोजना समन्वयक, कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र, जय भगवान सिंगला समाजसेवी, मनोज कुमार, प्रभारी, शेख चिल्ली मकबरा, कुरुक्षेत्र तथा सरदार चरणजीत सिंह, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल की उपस्थिति में किया गया। मुख्य अतिथि विश्राम कुमार मीना, आईएएस, उपायुक्त, कुरुक्षेत्र ने अपने संबोधन में कहा कि कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र के आज 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।

कुरुक्षेत्र। पैनोरमा में 3-डी फिल्म देखते अतिथिगण।

25 वर्षों से महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा

डॉ. सुनील धींगरा, निदेशक, वकएल, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र पैनोरमा पिछले 25 वर्षों से समाज और विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक सेवाएँ प्रदान कर रहा है, जो वास्तव में सराहनीय है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र के परियोजना समन्वयक डॉ. सुरेश कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 मार्च 2001 को इस केन्द्र का उद्घाटन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था और आज केन्द्र ने अपने 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। इन वर्षों में केन्द्र में भारतीय वैज्ञानिक विरासत गैलरी, फन साइंस गैलरी, तारामंडल, साइंस पार्क जैसी अनेक सुविधाएं विकसित की गई हैं।

फार्माकोविजिलेंस पर सेमिनार 16 को

कुरुक्षेत्र। श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में 16 मार्च को ह्यएएसएच एंड एच चिकित्सकों में फार्माकोविजिलेंस के प्रति जागरूकताह्व विषय पर नेशनल सेमिनार आयोजित किया जाएगा। सेमिनार में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के सहायक प्रोफेसर एवं आईपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. तरुण शर्मा तथा एनपीवीसी के कोऑर्डिनेटर डॉ. बिधान महाजन बतौर रिसोर्स पर्सन अपने विचार साझा करेंगे। कुलपति धीमान ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों में औषधियों की सुरक्षा और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए फार्माकोविजिलेंस की जानकारी अत्यंत आवश्यक है।

सरसों की सरकारी खरीद में देरी होने पर भाकियू सर छोटूराम ने जताया विरोध

- किसानों के हित में 7 मार्च से सरकारी खरीद शुरू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

बहादुर मैहला

भारतीय किसान यूनियन सर छोटूराम ने हरियाणा सरकार द्वारा सरसों की सरकारी खरीद 28 मार्च से शुरू करने के फैसले का कड़ा विरोध किया है। यूनियन ने मांग की है कि सरसों की खरीद 7 मार्च से शुरू की जाए, जबकि अन्य रबी फसलों की खरीद 20 मार्च से आरंभ की जाए।

यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने बताया कि तीन दिन पहले हरियाणा के मुख्य सचिव की ओर से फसलों की खरीद की तारीखों की घोषणा की गई थी। इसके विरोध में यूनियन ने सरकार को पत्र लिखकर सरसों की खरीद तुरंत शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरसों की फसल पूरी तरह पककर मंडियों में पहुंच चुकी है, लेकिन अभी तक सरकारी खरीद शुरू नहीं हुई है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बहादुर मैहला ने कहा कि खरीद में देरी किसानों के साथ अन्याय है। निजी व्यापारी इसका फायदा उठाकर किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम दाम पर फसल खरीद रहे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6200 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है, जबकि हरियाणा की मंडियों में व्यापारी 5000 से 5200 रुपये प्रति क्विंटल तक ही खरीद कर रहे हैं। यूनियन ने पहले भी मांग की थी कि सरसों की सरकारी खरीद 2 मार्च से शुरू की जाए, लेकिन सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया।

घरौंडा में जन सुनवाई कार्यक्रम, विस अध्यक्ष बोले-लोगों को नहीं होनी चाहिए

टीम भावना के साथ मिलकर काम करें अधिकारी-कर्मचारी : कल्याण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घरौंडा

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज घरौंडा के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत करीब तीन घंटे तक क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटारे के निर्देश दिए। सामूहिक मांगों में खेतों के रास्ते पक्के कराने, सामुदायिक केंद्र बनवाने, सडक़ों के निर्माण कार्य में तेजी लाने आदि से संबंधित थीं। श्री कल्याण घरौंडा पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में लोगों की समस्याएं सुनने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोगों के साथ उनका नियमित मिलना रहता है। जन सुनवाई के दौरान विभिन्न प्रकार की समस्याएं अथवा मांगें सामने आती हैं। घरौंडा क्षेत्र में पिछले 11 सालों में विकास के अनेक कार्य हुए हैं। कोरोना काल में जरूर विकास की गति प्रभावित हुई थी लेकिन उसके बाद सभी लंबित कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। बचे हुए कार्यों को तेजी से पूरा कराने के प्रयास हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल यूनिवर्सिटी, रिंग रोड, एनसीसी अकादमी, एसएचजी का ट्रेनिंग सेंटर जैसे बड़े प्रोजेक्ट पूरे होने पर इलाके के लोगों को काफी फायदा होगा।

चकाचक होंगी सड़कें

सडक़ों की खस्ताहाल बारे पूछे सवाल पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह सही है कि पिछली प्लान में सडक़ों का काम बाधित रहा। इसका एक कारण सरकार की नीति में बदलाव भी रहा है। कई सडक़ों को अन्य विभागों को स्थानांतरित किया गया। इससे थोड़ी देरी हुई है। खस्ताहाल सडक़ों पर जल्दी ही कार्य आरंभ किया जाएगा। कई जगह कार्य इसलिए भी रोका गया था कि खनन अथवा औद्योगिक क्षेत्र की सडक़ों को लोड आदि के दृष्टिगत और मजबूत बनाया जा सके।

समन्वय के साथ काम करें

डाक्टरों व पुलिस के विवाद के कारण बंद की गई ओपीडी सेवाओं संबंधी सवाल पर श्री कल्याण ने कहा कि इस प्रकार का विषय दुर्भाग्यपूर्ण है जो नहीं होना चाहिए। हर अधिकारी/कर्मचारी अथवा जनप्रतिनिधि का आचरण अच्छा होना चाहिए और सभी को टीम भावना से मिलकर काम करना चाहिए। लोगों के प्रति जिम्मेदारी सभी की है, उसे ठीक से निभाना चाहिए। इस प्रकार की घटना नहीं होनी चाहिए थी। वे अपील करते हैं प्रशासन इस मामले का जल्द समाधान निकाले। सेवा में ऐसी कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

अवैध कॉलोनियों में जमीन न खरीदें

अवैध कालोनियों संबंधी सवाल पर श्री कल्याण ने कहा कि यह प्रशासन की जिम्मेदारी है कि नियमों के अनुसार चीजें आगे बढ़ें। सरकार कम जमीन पर भी लाईसेंस उपलब्ध करा रही है। लाइसेंस प्राप्त करके नियमों अनुसार काम को आगे बढ़ाने से कोई दिक्कत नहीं है। जहां अवैध कार्य होता है वहां निश्चित रूप से संज्ञान लिया जाता है। सरकार की तरफ से भी समय-समय पर सख्ती की जाती है। उन्होंने कहा कि कई बार लोगों जानकारी के अभाव में अवैध कालोनियों में जमीन खरीद कर मकान बना लेते हैं।

आरओबी जल्द शुरू होगा

कोहंड ओवरब्रिज का निर्माण में तेजी आई है। जल्दी ही कार्य पूरा होने की उम्मीद है। आरओबी बनने के बाद न केवल आसपास के लोगों को फायदा होगा बल्कि यातायात की बेहतर सुविधा भी उपलब्ध होगी। जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीणों ने फूसगढ़ से रसूलपुर कलां सडक़ पर खस्ताहल पुल को दोबारा बनवाने, स्टौंडी में खेतों के रास्ते व नहर की पटरी पर पक्का रास्ता बनवाने, व्यायामशाला में ओपन जिम की मरम्मत कराने तथा हरिसिंहपुरा में सामुदायिक केंद्र बनवाने की मांग की। अलीपुर वासियों ने खेत के रास्ते पक्का कराने और जिला परिषद की निर्माणाधीन सडक़ के निर्माण कार्य में तेजी लाने की गुहार लगाई।

10 मार्च को नीलोखेड़ी पहुंचेगी कांग्रेस की सद्भावना यात्रा

- पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गांव-गांव दिया जाएगा भाईचारे का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व किसान सेल के राष्ट्रीय संयोजक ललित बुटाना ने बताया कि कांग्रेस पार्टी की ओर से निकाली जा रही सद्भावना यात्रा 10 मार्च को नीलोखेड़ी हलके में प्रवेश करेगी। इस यात्रा को लेकर क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और दो दिन तक यह यात्रा विभिन्न गांवों में रुककर कार्यक्रम करेगी। ललित बुटाना ने बताया कि नीलोखेड़ी पहुंचने पर यात्रा का जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा की तैयारियों को लेकर वह कांग्रेस नेता इन्द्रजीत सिंह गोराया और राजेन्द्र बल्ला के साथ क्षेत्र के कई गांवों में जाकर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। पूर्व सांसद एवं पूर्व आईएएस अधिकारी बृजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही इस यात्रा का उद्देश्य समाज में भाईचारा, सौहार्द और एकता का संदेश फैलाना है।

करनाल। सद्भावना यात्रा का निमंत्रण देते हुए कांग्रेस नेता ललित बुटाना व अन्य।

खबर संक्षेप

लाठे वाला गोशाला के अध्यक्ष बने जागलान

पानीपत। पानीपत के गांव नौल्था स्थित डेरा बाबा लाठे वाला गोशाला कमेटी के चुनाव हुआ। चुनाव में बीस गांवों के गोभक्तों ने भाग लिया। जिसमें रामकुमार जागलान को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया। जबकि सुरेंद्र सिंह को सचिव व नरेश जागलान को कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं, गोशाला की शेष कमेटी सदस्यों का चयन प्रधान, सचिव और कोषाध्यक्ष की सहमति करने का निर्णय हुआ। नई कार्यकारिणी तीन वर्ष के लिए गठित की गई है। इस अवसर पर हरि चंद मलिक, नफे सिंह कारद, ईश्वर सिंह, दयाराम, नौल्था के सरपंच बलराज जागलान, राम सिंह जागलान, नरेंद्र नांदल, धर्मपाल जागलान, वेद सिंह, फूल सिंह, लाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

विवाहिता को यूपी में बंधक बना कर गैंगरेप किया

पानीपत। पानीपत निवासी एक महिला के साथ उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में तीन लोगों ने बंधक बना कर दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला का कहना है कि उसका पति बीमार रहते हैं और परिवार पर आर्थिक संकट है। इसके चलते पूरा परिवार परेशान है। वहीं महिला को वसीम नामक व्यक्ति जो उसका जानकार है ने उसे मौलवी से उसके पति का उपचार कराने व धन की कमी का झांसा देकर उसे अपनी कार में बैठा कर गांव घाटापुर जिला सहारनपुर ले गया। महिला का आरोप है कि तीन आरोपियों ने उसे तीन दिन तक बंधक बनाकर रखा और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीडिता जैसे तैसे आरोपियों के चंगुल से छूटकर पानीपत आई। पीड़िता की शिकायत पर थाना किला पुलिस ने उसके बयान दर्ज किए और मेडिकल जांच करवा कर तीन लोगों वीसम, सोहब व वासीम पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजमिस्त्री के हत्यारोपी को किया गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने चुलकाना गांव के राजमिस्त्री इंतजार की हत्या की ब्लाइंड वारदात को सुलझा दिया है। पुलिस ने इंतजार की हत्या के आरोप में गांव हथवाला हाल किरायेदार गांव चुलकाना निवासी बारू उर्फ सन्नी को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन प्रभारी इंस्पेक्टर फूल कुमार ने बताया कि बारू ने इंतजार की हत्या करना कबूल किया है। वहीं, बारू ने बताया कि इंतजार उसकी पत्नी को अपशब्द कह रहा था, इसकी बात को लेकर विवाद हुआ और उसने अपने ई रिक्शा से हथौडा निकाला और इंतजार के सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी और शव को मौके पर ही छोड कर फरार हो गया।

रसोई गैस के दाम बढ़ाना गलत

पानीपत। रसोई गैस के दामों में एक बार फिर की गई बढ़ोतरी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा सरकार को देश के आम परिवारों की परेशानियों से कोई सरोकार नहीं है। आज जब आम आदमी पहले ही महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहा है। ऐसे समय में रसोई गैस के दाम बढ़ाना सीधे सीधे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की रसोई पर प्रहार है। यह विचार वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ.ओमवीर सिंह पंवार ने व्यक्त करते हुए इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां लगातार जनविरोधी साबित हो रही हैं।

विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान दिवस कार्यक्रम आयोजित

पानीपत। एवन पब्लिक स्कूल तहसील कैंप में विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आर्य समाज काबड़ी के उप प्रधान और भाजपा जिला मीडिया प्रभारी ओमदत्त आर्य उपस्थित रहे।

पुलिस ने लूट के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। थाना बापौली पुलिस ने दुकान से घर लौट रहे दो सगे भाइयों से मारपीट के बाद नकदी छीनने मामले में दो आरोपियों गांव बापौली निवासी इमरान उर्फ पहलवान व सचिन उर्फ बौदा को गिरफ्तार किया है।

मारपीट के आरोपी पकड़े

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने सोहम गार्डन के पास रास्ता रोककर लाठी डंडों से युवक को चोट मारने के चार आरोपियों इंसार बाजार निवासी आकाश उर्फ अक्कू, पठान मोहल्ला निवासी मयंक, खेल बाजार निवासी रजत तथा अमर भवन चौक निवासी हिमांशु को गिरफ्तार किया है।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहीं

नारी कौशल नेतृत्व से समाज में ला सकती हैं परिवर्तनः दीक्षित

शाखा के प्रधान सीए भूपिंदर दीक्षित ने महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की उपलब्धियों की सराहना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। आईसीएआई के कार्यक्रम का दीप जला कर शुभारंभ करते हुए अतिथिगण। फोटो :हरिभूमि

दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की वुमेन मेंबर्स एक्सीलेंस कमेटी के तत्वावधान में उत्तरीय भारतीय क्षेत्रीय परिषद की पानीपत शाखा द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन शाखा के प्रधान सीए भूपेंद्र दीक्षित की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि सीए रानो जैन रहीं। विशिष्ट अतिथियों में सीए शालिनी गुप्ता, सीए सोनिया अरोड़ा, रजनी गुप्ता प्रोटेक्शन.कम.चाइल्ड मैरिज प्रोहीबिशन ऑफिसर व रेखा प्रभारी महिला पुलिस स्टेशन रही। मुख्य वक्ता सीए शिखा चावला ने कहा कि आत्मविश्वास, निरंतर सीखने की भावना और नेतृत्व कौशल के माध्यम से महिलाएं न केवल अपने पेशे में बल्कि समाज में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकती हैं। शाखा के प्रधान सीए भूपिंदर दीक्षित ने महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

मंच संचालन शाखा की सचिव सीए रजनी गोयल ने किया। धन्यवाद शाखा उपाध्यक्ष सीए जितेंद्र बांगा ने किया। इस अवसर पर शाखा के कोषाध्यक्ष सीए दीपक गोयल, सीए कंवरदीप सिंह, सीए सोनू गोयल ने आए हुए अतिथियों का गुलदस्ता देकर और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स महिला सदस्यों सीए अंजलि, सीए अर्चना, कविता खुराना, स्वाति मित्तल, मधु खुराना, सीमा मिगलानी, मीनाक्षी गेरा, रजनी बत्रा, साक्षी, श्वेता असीजा, श्रुति गर्ग, स्वाति मुखी, शिखा बंसल, अनु सैनी, नैन्सी जैन व खुशबू आदि मौजूद रहे।

बादशाह ने हरियाणवी संस्कृति को शर्मसार कियाः डॉ. नैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

■ पुलिस आरोपी गायक बादशाह को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें

अंतरराष्ट्रीय जाट सांसद के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. नवीन नैन भालसी ने कहा रैपर बादशाह द्वारा किया गया संगीत हमारी हरियाणवी संस्कृति के ऊपर घिनौना प्रहार है, और हम किसी भी स्थिति में अपनी हरियाणवी संस्कृति पर किसी भी प्रकार का कुठाराघात नहीं होने देंगे। इस प्रकार के संगीत की जो हमारी हरियाणवी संस्कृति पर प्रहार कर रहा है हम कठोर शब्दों में भर्त्सन करते हैं। उन्होंने कहा कि रैपर बादशाह जैसे लोग समाज में अश्लीलता और फुहड़ता का प्रचार प्रसार करें तत्काल प्रभाव से गिरफ्तारी होनी चाहिए और ऐसे संगीत को पूर्णत प्रतिबंधित करने का आग्रह करते हैं। डॉ. नवीन नैन भालसी ने सरकार से भी ऐसी व्यवस्था की मांग की हैं वर्तमान में कलाकारों के द्वारा कुछ ऐसे संगीत बनाए जा रहे हैं जिसका हमारे युवाओं पर और संस्कृति पर व्यापक तौर पर प्रतिकूल और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, ऐसे संगीतों को रोकने के लिए फिल्मों की तर्ज पर संगीतों के लिए भी कठोरतम सेंसरशिप की व्यवस्था करनी चाहिए, जिसमें किसी भी प्रकार के नकारात्मकता का प्रभाव ना हो, युवा पथभ्रष्ट ना हो, बदमाशी जैसे संगीतों से उद्दंडित मनोवृति ना हो। उन्होंने कहा कि हरियाणवी संस्कृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद निरंतर कृत संकल्पित रहती है।

अधिकारों के लिए एकजुट हो नारी शक्ति : शर्मा

पानीपत। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मार्था फेरल फाउंडेशन के सहयोग से गांव राकसेड़ा में महिला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी सहायता, शिक्षा तथा सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्रदान करना था। सीजेएमकम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पानीपत महिला जागरूकता सम्मेलन में अतिथियों का सम्मान करते मेजबान।

वर्षा शर्मा ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है और किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर वे प्राधिकरण से संपर्क कर सकती हैं। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया ने भी महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा तथा उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में बीईओ सरिता देवी, महिला थाना की एसएचओ रेखा देवी, जिला बाल विवाह निषेध एवं संरक्षण अधिकारी रजनी गुप्ता ने भी बाल विवाह निषेध अधिनियम तथा बच्चों और महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें: मंत्री ढांडा

पानीपत। जिला परिषद की बैठक में भाग लेते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा व अध्यक्ष ज्योति शर्मा आदि। फोटो : हरिभूमि

■ विकास कार्यों में टीमवर्क के साथ कार्य करना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

जिला सचिवालय सभागार में शनिवार को जिला परिषद सदन की बैठक हुई। बैठक में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिरकत करते हुए बैठक की कार्यवाही का अवलोकन किया और ग्रामीण अंचल के विकास को सुझाव दिए। वहीं, बैठक के एजेंडा में जिला परिषद के कार्यों का ब्योरा, एफ एफ सी/एस एफ सी,कार्यों के फंड का आकलन व प्लानिंग, जिला परिषद के विकास कार्यों की समीक्षा तथा प्रधान की स्वीकृति से अन्य मुद्दों पर चर्चा शामिल रही। जिला परिषद प्रधान ज्योति शर्मा ने बैठक की अध्यक्षता की। इधर, बैठक को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि जनता के आशीर्वाद से इस सदन में पहुंचे हैं, इसलिए जनता की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। मंत्री ढांडा ने कहा कि सभी सदस्य अपनी प्राथमिकताओं को आगे रखें, अधूरे कार्यों की जांच करें और विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करें। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में टीमवर्क के साथ कार्य करना जरूरी है।

कीर्ति ने यूपीएससी में 304 वीं रैंक क्लीयर की

■ प्रदेश के साथ अपना व अपने परिवार का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

यूपीएससी क्लीयर करने वाली कीर्ति का स्वागत करते हुए गणमान्य नागरिक।

पानीपत के असंल सुशांत सिटी निवासी शिक्षाविद् की पुत्री कीर्ति ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में 304वीं रैंक हासिल कर हरियाणा, पानीपत, अपना व अपने परिवार का नाम रोशन किया है। कीर्ति की इस उपलब्धि से उनके परिजन, रिश्तेदार, दोस्त, आसपडोसी बेदह खुश है। कीर्ति ने यूपीएससी को चौथे प्रयास में क्लीयर किया है। कीर्ति ने बताया कि पिछले प्रयासों में जब असफलता हाथ लगी, तो वह काफी निराश हुई थीं। लेकिन उनके मन में यूपीएससी क्लियर करने का सपना अटूट था। अपनी निराशा को उन्होंने अपनी ताकत बनाया और दोगुनी मेहनत से तैयारी में जुटी और यूपीएससी क्लीयर कर के दम लिया। स्मरणीय है कि कीर्ति के पिता जोगिंद्र सिंह शिक्षाविद् है, वहीं, सिंह ने प्रोफेसर के रूप में हजारों बच्चों का भविष्य उज्ज्वल किया। मां मंजू रानी, काबड़ी गांव के राजकीय स्कूल में हिंदी की अध्यापिका हैं। जबकि भाई भाई आशीष, गृह मंत्रालय (एमएचए) में बतौर डीएसपी तैनात हैं। भाभी मुनमुन चौधरी, गुरुग्राम में जज के पद पर कार्यरत हैं।

बधाई देने के लिए लोगों का लगा तांता

छोटी बहन सुकीर्ति, कुरुक्षेत्र के आदेश मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस कर रही हैं। कीर्ति गत दो सालों से पावरग्रिड में लीगल ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रही है। कीर्ति ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता जोगिंद्र सिंह, मां मंजू और अपने टीचर्स को देते हुए कहा कि इन्होंने हमेशा उनका हौंसला बढाया। कीर्ति ने कहा कि वे सकारात्मक व रचनात्मक सोच के साथ जनता की सेवा करेगी। दूसरी ओर, कीर्ति को मिली सफलता से खुश लोगों का उनके घर पर बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है।

जीवन की चुनौतियों के लिए विद्यार्थी हर स्तर पर दक्ष हों : सिंह

पानीपत। आईबी कॉलेज के विजेता विद्यार्थी अपने टीचर्स के साथ। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। आईबी पीजी कॉलेज, पानीपत में वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के तत्वावधान में एम.कॉम. अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 'सेल्स स्ट्रेटेजी कॉन्क्लेव' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव का आयोजन प्रो. रूहानी शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीन एवं प्रभावी विक्रय रणनीतियों का निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण करने का अवसर प्रदान करना था, ताकि वे प्रबंधन की अवधारणाओं को वास्तविक व्यावसायिक परिस्थितियों में लागू कर सकें। कॉन्क्लेव के माध्यम से विद्यार्थियों को सेल्स मैनेजमेंट के विभिन्न आयामों—जैसे विक्रय योजना निर्माण, लक्ष्य निर्धारण, ग्राहक प्रबंधन, विपणन समन्वय, टीम लीडरशिप तथा प्रदर्शन मूल्यांकन की गहन समझ विकसित करने का अवसर मिला। गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों ने प्रभावी बिक्री प्रबंधन की रणनीतियों, बाजार विश्लेषण की प्रक्रिया, राजस्व वृद्धि के उपायों तथा ग्राहक संतुष्टि बनाए रखने के तरीकों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रस्तुतियों में विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, तार्किकता और व्यावसायिक परिपक्वता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जबकि प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि आज के वैश्विक एवं प्रतिस्पर्धात्मक युग में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यवहारिक दक्षता, प्रभावी संप्रेषण कौशल और नेतृत्व क्षमता भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, टीम भावना और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी।

रिफाइनरी मजदूरों को मिल रहा सरकारी नियम अनुसार लाभ

पानीपत। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड का पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की पी.25 परियोजना में गत 23 फरवरी 2026 को संविदा श्रमिकों द्वारा कुछ मांगों के संबंध में अपनी चिंता व्यक्त की गई थी। श्रमिकों का एक समूह गेट संख्या 3 एवं बाद में गेट संख्या 1 के निकट एकत्रित हुआ तथा विभिन्न श्रम संबंधी मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। पीआरपीसी प्रबंधन ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ संवाद की प्रक्रिया प्रारंभ की। मुख्य नियोक्ता, संबंधित ठेकेदारों, श्रमिक प्रतिनिधियों तथा जिला प्रशासन की उपस्थिति में विस्तृत एवं सकारात्मक वार्ता आयोजित की गई। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी वेतन भुगतान संबंधी अधिसूचना के अनुसार पानीपत सिटी एरिया सी श्रेणी के अंतर्गत आता है।

सद्भावना का संदेश देते हैं त्योहार

■ राजेश कुमार ने उपस्थित सभी पत्रकार साथियों को होली की शुभकामनाएं दीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ समालखा

समालखा में प्रेस वार्ता करते हुए आरएसएस के राजेश कुमार आदि। हरिभूमि

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, समालखा द्वारा पत्रकार साथियों के लिए होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रांत प्रचार प्रमुख राजेश कुमार ने उपस्थित सभी पत्रकार साथियों को होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं, राजेश कुमार ने कहा कि पर्व हर नागरिक को सद्भावना का संदेश देते है। वहीं उन्होंने 13, 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाली अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के बारे में पत्रकारों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस वर्ष समालखा , (हरियाणा) में युगाब्द 5127, विक्रम संवत 2082 चैत्र कृष्ण दशमी (द्वि- दिवसीय)- एकादशी अर्थात दिनांक 13,14 एवं 15 मार्च को आयोजित हो रही है। संघ की दृष्टि से यह सर्वोच्च निर्णायक इकाई की बैठक होती हैं। प्रतिवर्ष होने वाली इस बैठक का आयोजन इस वर्ष ग्रामविकास एवं सेवा साधना केन्द्र, पट्टीकल्याणा, समालखा, (हरियाणा) में हो रहा है। यह वर्ष संघ शताब्दी का होने के नाते शताब्दी निमित्त आयोजित विजयादशमी उत्सव, गृहसंपर्क, हिन्दू सम्मेलन, युवा सम्मेलन, प्रमुख नागरिक गोष्ठी, सामाजिक सद्भाव बैठकें आदि कार्यक्रमों तथा अभियानों के वृत्तांत के साथ-साथ अनुभवों की बैठक में विशेष चर्चा रहेगी। प्रतिनिधि सभा में गत वर्ष 2025-26 के संघ कार्य की समीक्षा तथा प्रांतों में हुए विशेष कार्यों का निवेदन होगा। बैठक में वर्तमान राष्ट्रीय परिदृश्य पर चर्चा के साथ ही कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्ताव भी पारित किए जाएंगे। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले व सभी सह सरकार्यवाह एवं अन्य पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित रहेंगे। बैठक में मुख्य रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि, प्रांत व क्षेत्र स्तर के प्रमुख पदाधिकारी सहित कुल 1489 कार्यकर्ता अपेक्षित हैं। बैठक में संघ प्रेरित विविध 32 संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं संगठन मंत्री भी अपेक्षित रहेंगे। समालखा नगर के संघचालक रामकुमार, हरियाणा प्रांत के सह प्रचार प्रमुख विक्रांत वीर, विभाग प्रचार प्रमुख केदार दत्त, वैश्य कन्या संस्थान के प्रधान प्रकाश वीर, सरबजीत,नीरज आदि उपस्थित रहे।

युवती से दोस्ती कर धन दुगना करने के लालच में 22 लाख गंवाए

पानीपत। पानीपत के सनौली रोड निवासी व्यापारी पंकज गजरानी के साथ साइबर ठगों ने 22 लाख रुपये की ठगी कर ली। वही,पंकज की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने ठगी के इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, पीड़ित गजरानी ने बताया कि करीब एक साल पहले इंस्टाग्राम पर उसकी मुलाकात आधा शर्मा नाम की लड़की से हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती हो गई। विश्वास जीतने के बाद लड़की ने पंकज को कमाई का लालच देना शुरू किया। पकंज, लडकी के झांसे में आ गया और उसने लड़की के द्वारा बताई गई ऐप पर धन का निवेश शुरू कर दिया और 22 लाख रुपये गंवा बैठा। इधर, साइबर थाना पुलिस ने इस मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय तहसीलदार-कम-सब- रजिस्ट्रार पानीपत

मोहन लाल पुत्र श्री शाम दास निवासी मकान न0 596/3 पुरेवाल कालोनी कच्चा कैम्प पानीपत व आदि
बनाम
जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मोहन लाल पुत्र स्व० श्री शाम दास पुत्र श्री हाडी राम पुत्र श्री रतन चन्द निवासी मकान न0 596/3 पुरेवाल कालोनी कच्चा कैम्प पानीपत ने एक वसीयत न0 91/3 दिनांक 25.08.1993 का इन्तकाल करवाने के हेतु इस कार्यलय मे पेश किया है। जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है। स्व० श्री शाम दास पुत्र श्री हाडी राम पुत्र श्री रतन चन्द का दिनांक 30.10.1998 को देहान्त हो गया है। कि उपरोक्त वसीयत में भूमि स्व० श्री शाम दास पुत्र श्री हाडी राम पुत्र श्री रतन चन्द में ही मिन० अपने बच्चों 1. जगदीश पुत्र 2. मोहन पुत्र के नाम कर रखी है। जिसका इन्तकाल 1. जगदीश पुत्र 2. मोहन पुत्र के नाम दर्ज करके मंजूर होना है। इसलिये हर आम व खास को इस इश्तहार नोटिस के माध्यम से सूचित किया जाता है। कि उपरोक्त मृतक स्व० श्री शाम दास पुत्र श्री हाडी राम पुत्र श्री रतन चन्द के बताये गये वारिस / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एंव एतराज हो तो वह स्वंय/अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 15 दिन के अन्दर अन्दर कार्यालय मे कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यों के आधार पर वसीयत न0 91/3 दिनांक 25.08.1993 का इन्तकाल दर्ज करके मंजूर कर दिया जायेगा।

यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 06.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

हस्ता/- तहसीलदार-कम-
सब रजिस्ट्रार, पानीपत

मंत्री कृष्ण लाल ने गांव खुखराना के 445 ग्रामीणों को प्लाट अलॉटमेंट लेटर सौंपे

ग्रामीण अंचल को विकसित कर रही है सरकारः पंवार

मंत्री कृष्ण ने गांव खुखराना के 445 ग्रामीणों को प्लाट अलॉटमेंट लेटर सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

केबिनेट मंत्री कृष्ण पंवार, खुखराना गांव निवासियों को रजिस्ट्रियां सौंपते हुए।

हरियाणा के विकास, पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने शनिवार को जिला सचिवालय के सभागार में गांव खुखराना के पुनर्स्थापन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 445 पात्र ग्रामीणों को अलॉटमेंट लेटर वितरित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की। मंत्री का सचिवालय पहुंचने पर अतिरिक्त उपायुक्त एवं निगम आयुक्त डॉ. पंकज यादव ने बुके देकर स्वागत किया। वहीं, पंवार ने कहा कि खुखराना के ग्रामीणों ने अपने अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया है और सरकार ने उनके हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें न्याय दिलाने का काम किया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जिन लोगों को अलॉटमेंट लेटर दिए गए हैं, उनकी रजिस्ट्री भी जल्द करवाई जाएगी ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपने घर बना सकें। उन्होंने इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार गांवों के विकास और ग्रामीणों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री पंवार ने ग्रामीणों से अपील की कि वो जब अपने मकान बनाएं, वहां साफ-सफाई और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि सरकार गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रही है और सभी ग्रामीण मिलकर आदर्श गांव बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सरकार गांव के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और गांव के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बजट की भी किसी भी तरह से कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इधर, कार्यक्रम में एडीसी डॉ. पंकज यादव, डीडीपीओ राजेश शर्मा, डीआरओ कनब लाकड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नशे के विरुद्ध जागरूक किया

पानीपत। पानीपत पुलिस जिले को नशा मुक्त बनाने की दिशा में जागरूकता अभियान चलाए हुए है। इसी कड़ी में जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने शनिवार को जलालपुर प्रथम गांव में डोर टू डोर जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों बारे बताकर नशे के खिलाफ जागरूक किया। वहीं, पुलिस टीम ने गांव में घर-घर जाकर लोगों को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ता है। लागों को बताया गया कि नशे की लत कैसे धीरे-धीरे व्यक्ति को अपने जाल में फंसा लेती है और समय रहते इससे बचाव कितना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

चोरी का सामान खरीदने वाला कबाड़ी पकड़ा

अंबाला। जिला पुलिस ने जग्गी सिटी सेंटर में हुई एयर कंडीशनर के कॉपर पाइप चोरी की वारदात को सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता सागर ने थाना बलदेव नगर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 22 और 23 फरवरी की दरम्यानी रात चोरों ने सिटी सेंटर से एसी के कॉपर पाइप चोरी कर लिए हैं। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच करते हुए मुख्य आरोपी रोहित कुमार को काबू किया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी हरीश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।

जेवरात चुराने वाली तीन महिलाएं काबू

अंबाला। सीआईए टू की टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने ई-रिक्शा में महिला यात्री को बातों में उलझाकर उसके सोने के जेवरात चोरी करने के मामले में संलिप्त तीन महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 15 हजार रुपये की नकदी बरामद की गई है।
सीआईए-2 प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि 5 फरवरी 2026 को एक महिला ने थाना अंबाला छावनी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, जब वह माया वाला चौक से ई-रिक्शा में सवार थी, तभी तीन महिलाएं रिक्शा में बैठीं। उन महिलाओं ने बातों ही बातों में और बच्चे की मदद से शिकायतकर्ता का ध्यान भटकाया और बड़ी सफाई से उसकी सोने की चेन व बालियां चोरी कर लीं। पुलिस ने जांच के दौरान तीनों आरोपी महिलाओं को अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से काबू किया। आरोपियों को को अब जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस ने वांछित आरोपी तिलक राज उर्फ हांडी को काबू किया है। अदालत ने आरोपी को पीओ घोषित किया हुआ था। अब उसे जेल भेज दिया गया है।
प्रबंधक थाना अंबाला छावनी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वर्ष 2018 में मामला दर्ज हुआ था। मामले में आरोपी को न्यायालय द्वारा पीओ घोषित किया गया था। पुलिस ने अब मुकदमें में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गाड़ी की चपेट में आने से घायल युवक की मौत

अंबाला। अंबाला- हिसार रोड स्थित अंबाला पब्लिक स्कूल के पास होली वाले दिन कार में चपेट में आकर घायल हुए वाराणसी के 29 वर्षीय आशीष विश्वकर्मा ने दम तोड़ दिया। 4 मार्च से आशीष चंडीगढ़ पीजीआई में उपचाराधीन थे। 5 मार्च की रात को आशीष ने आखिरी सांस ली। होली पर एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने युवक की बाइक को पीछे से टक्कर मारी थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी अंजलि की शिकाय पर कार चालक पर लापरवाही से वाहन चलाने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। अभी तक पुलिस को आरोपी कार चालक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया है। पुलिस की मानें तो आरोपी वाहन चालक की पहचान के बाद जल्द ही उसे काबू किया जाएगा।

नशा सप्लायर को भेजा कारावास

अंबाला। पुलिस ने नशा सप्लायर आशीष उर्फ अंडा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को रिमांड के बाद जेल भेज दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी आशीष उर्फ अंडा को बीते 13 फरवरी को ही अवैध हथियार रखने के एक मामले में जमानत मिली थी। लेकिन जेल से बाहर आते ही उसने सुधार की जगह फिर से अपराध की राह चुनी और युवाओं को नशे के दलदल में धकेलना शुरू कर दिया। आरोपी को पुलिस ने 13 ग्राम हेरोइन तस्करी मामले में काबू किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी आशीष के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी, अवैध हथियार, लड़ाई झगड़े से संबंधित थाना महेश नगर व थाना अंबाला छावनी में लगभग 6 मामले दर्ज हैं।

विश्व महिला दिवस पर विशेष: समान अधिकार और सम्मान के लिए जागरूकता जरूरी

महिलाओं के सशक्तीकरण से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति संभव

हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

हर वर्ष 8 मार्च को पूरे विश्व में अंतरराष्ट्री महिला दिवस मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, समाज में समानता का संदेश देना और महिलाओं के योगदान को सम्मान देना है। मौजूदा समय में महिलाएं शिक्षा, राजनीति, खेल, विज्ञान, प्रशासन और व्यापार सहित लगभग हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इसके बावजूद समाज में कई स्थानों पर महिलाओं को अभी भी बराबरी का दर्जा नहीं मिल पाया है। देश में महिलाओं ने अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर उच्च पदों तक पहुंचकर देश का नाम रोशन किया है। देश की मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के अलावा पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार, वरिष्ठ नेता कुमारी सैलजा, पूर्व विदेश सचिव निरूपमा राव, बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती, दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी, गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल तथा राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जैसी अनेक महिलाओं ने राजनीति और प्रशासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।इसके अलावा खेल और विज्ञान के क्षेत्र में भी भारतीय महिलाओं ने देश का गौरव बढ़ाया है। अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में जाकर भारत का नाम विश्व पटल पर चमकाया, जबकि बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने खेल जगत में भारत को नई पहचान दिलाई।

कोख में हो रही लड़कियों की हत्या

हमारे संविधान में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिए गए हैं लेकिन व्यवहारिक रूप में अभी भी महिलाओं का सामाजिक स्तर पुरुषों के मुकाबले कम दिखाई देता है। सरकार की सख्ती के बावजूद कई स्थानों पर लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही भ्रूण हत्या के माध्यम से मार दिया जाता है। या शादी के बाद दहेज के लिए उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। इन कुरीतियों को समाप्त करने के लिए समाज को जागरूक करना और सख्त कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करना जरूरी है।
-**कुलविंद्र कांबोज**, मेकअप आर्टिस्ट।

मुख्यधारा में शामिल हों महिलाएं

सरकार को महिलाओं को आर्थिक विकास की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास करने चाहिए। महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना, गरीब महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और लड़कियों की उच्च शिक्षा के लिए बेहतर प्रबंध करना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही समाज को भी अपनी सोच में बदलाव लाना होगा, ताकि महिलाओं को हर क्षेत्र में सम्मान और समान अवसर मिल सकें।
-**दिव्या कपूर**, सदस्य, नगरपालिका।

रिश्ते संवारने वाली शक्ति है नारी

बंतो कटारिया।

अंबाला। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है। यह एक ऐसा दिन है जब महिलाओं को राष्ट्रीय, भाषाई, सांस्कृतिक, आर्थिक या राजनीतिक सीमाओं में उनकी उपलब्धियों के लिए मान्यता दी जाती है। कटारिया ने कहा नारी केवल एक शब्द नहीं बल्कि संपूर्ण सृष्टि का आधार है। वह जीवनदायिनी है, प्रेम की मूर्ति और रिश्ते संवारने वाली शक्ति है। भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, ममता, और त्याग का स्वरूप माना गया है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के हितार्थ चलाई जाने वाली योजनाओं चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश व देश की महिलाएं सशक्त हो, उनके चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लखपति दीदी जैसी योजनाओं पर धरातल पर लाया गया। महिलाओं को सशक्त करने एवं उन्हें समान अवसर प्रदान करने के लिए संसद में एक तिहाई आरक्षण देकर महिलाओं की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण माना है। बंतो ने कहा इस वर्ष का यह विषय सभी के लिए समान अधिकार, शक्ति और अवसर प्रदान करने तथा एक समावेशी भविष्य के लिए कार्य करने का आह्वान करता है जहां कोई भी पीछे न छूटे। इस दृष्टिकोण का मुख्य लक्ष्य अगली पीढ़ी यानि युवाओं, विशेष रूप से युवा महिलाओं और किशोरियों को स्थायी परिवर्तन के उत्प्रेरक के रूप में सशक्त बनाना है।

महिलाओं को मिले प्रतिनिधित्व

संविधान में संशोधन कर स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33.3 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। कई राज्यों में यह आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक भी किया गया है। इसी प्रकार लोकसभा और विधानसभाओं में भी महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इससे महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का अवसर मिलेगा और वे निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकेंगी।
-**रेणू शर्मा**, टीचर

अंबाला। रक्तदाताओं को सम्मानित करती बीके बहनें। *फोटो: हरिभूमि*

शिविर में 65 ने किया रक्तदान

इंसानी शरीर से ही होती है रक्त की पूर्तिः आशा

■ ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय में आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

अंबाला छावनी के दयालबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विवि में ही विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।शिविर में 65 रक्त वीरों ने रक्तदान किया। इसमें कई ब्रह्माकुमारी बहनें भी शामिल रही। शिविर में आए सभी रक्तदाताओं को मेडल, सर्टिफिकेट, ईश्वरीय कैलेंडर व डाइट दी गई। अंबाला सब जोन निर्देशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने रक्तदाताओं का धन्यवाद करते हुए संदेश दिया रक्त की कोई फ़ैक्ट्री नहीं है इसलिए हमें रक्त दान ज़रूर देना चाहिए। हमारे रक्त दान से किसी की ज़िंदगी बच सकती है। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे इंडस्ट्रियल एरिया रोटरी क्लब प्रधान डॉक्टर जोगिंदर सिंह ने कहा की समाज की वास्तविक सेवा यही है जो मानवता को जीवन देती है। इस तरह के प्रयास समाज में मानवता और भाईचारे को मज़बूत करते हैं। उन्होंने भी इस अवसर पर 60वीं बार रक्तदान किया। जोनल कॉऑर्डिनेटर समाज सेवा प्रभाग ब्रह्माकुमारीज़ व शाहाबाद ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीति दीदी ने कहा इस अभियान का उद्देश्य केवल रक्त की आवश्यकता को पूरा करना ही नहीं है बल्कि समाज में भाईचारे, निस्वार्थ सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना भी है।
इस अवसर पर वार्ड नंबर 5 के सदस्य जीवन कुमार उद्योगपति पीयूष, सीनियर अधिवक्ता कमलेश गुप्ता, सहयोग सोसाइटी प्रधान गिरीश, युवा मोर्चा प्रधान संजय सिसोदिया, कर्नल आरडी सिंह, विशाल गुप्ता, आशीष जायसवाल , डॉक्टर सुरेंद्र अरोड़ा, पूर्व रोटरी क्लब प्रधान दिलीप मेहता मौजूद रहे। मोटीवेशनल स्पीकर बीके राकेश मेहता 51 वीं बार रक्तदान किया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली दीदी ने सभी को मेडिटेशन कराया।

समरीत अव्वल, यशोदा द्वितीय

■ स्लोगन लेखन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बराड़ा

लार्ड कृष्णा शिक्षण महाविद्यालय अधोया में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह और प्रेरणादायक वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय में बीएड एवं डीएलएड. के विद्यार्थियों के लिए स्लोगन लेखन तथा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और महिला सशक्तिकरण से जुड़े विषयों पर अपने विचार रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किए। स्लोगन प्रतियोगिता में समरीत ने प्रथम स्थान, यशोदा ने द्वितीय स्थान नसीं ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बराड़ा। कार्यक्रम में भाग लेते हुए प्रतिभागी। *फोटो: हरिभूमि*

विजेताओं को किया सम्मानित

विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी को महिला सशक्तिकरण का संदेश समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

सुहासिनी मित्तल ने यूपीएससी में पाया 413वां रैंक

■ बेटी की कामयाबी से कस्बे में जश्न का माहौल, मुंबई आईआईटी से की पोस्ट ग्रेजूएशन

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

कस्बे की होनहार बेटी सुहासिनी मित्तल ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर 413वां रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। सुहासिनी मित्तल कस्बे के रहने वाले संजीव मित्तल की सुपुत्री है। संजीव सीमेंट व सरिया की दुकान है। उनकी माता प्रतिभा मित्तल शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं। वे गेस्ट टीचर के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। सुहासिनी ने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और परिवार के सहयोग से यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। मार्केट कमेटी के चेयरमैन गोपाल मित्तल ने भी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सुहासिनी मित्तल ने अपनी कड़ी मेहनत से कस्बे का नाम पूरे देश में रोशन किया है। उन्होंने सुहासिनी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

■ उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

शहजादपुर। सुहासिनी मित्तल की कामयाबी पर जश्न मनाते परिजन व सुहासिनी का फोटो।

शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही

सुहासिनी मित्तल ने बताया कि यूपीएससी परीक्षा में उनका 413वां रैंक आया है। उन्होंने आईआईटी मुंबई से गणित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन किया हुआ है। सुहासिनी के पिता संजीव मित्तल ने बताया कि उनके दो बच्चे हैं जिनमें सुहासिनी बड़ी हैं, जबकि बेटा राघव मित्तल उनसे छोटा है। बेटा वर्तमान में गुरुग्राम में नौकरी कर रहा है। सुहासिनी की दादी श्यामा देवी सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका ने अपनी पोती की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण से ही सफलता प्राप्त होती है। उनकी माता प्रतिभा मित्तल ने कहा कि सुहासिनी शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही है। उसने अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार मेहनत की।

कार की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

■ मृतक की पहचान गांव रसीदपुर के रहने वाले लगभग 55 वर्षीय बलदेव के रूप में हुई।

हरिभूमि न्यूज ⏭शहजादपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग 344 पंचकूला यमुनानगर मार्ग पर शहजादपुर के नजदीक कार की चपेट में आने से एक लगभग 55 वर्षीय साइकिल सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव रसीदपुर के रहने वाले लगभग 55 वर्षीय बलदेव के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि हादसा एक दूसरी कार को ओवरटेक करते हुए हुआ है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार गांव रसीदपुर निवासी करीब 55 साल का बलदेव शनिवार बाद दोपहर अपनी साइकिल पर शहजादपुर में भंडारा खाने जा रहा था जब बलदेव शहजादपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग 344 पर पहुंचा और सड़क क्रॉस करने लगा तभी एक तेज रफ्तार कार ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

शहजादपुर। हादसे को अंजाम देने वाली क्षतिग्रस्त कार। *फोटो: हरिभूमि*

कार्रवाई प्रारंभ

बताया जा रहा है कि बलदेव की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव और कार को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी शहजादपुर अशोक कुमार ने बताया कि कार को कब्जे में ले लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल भिजवा दिया गया है।

युवक की हत्या की गुत्थी सुलझी, छीनाझपटी के दौरान तीन युवकों ने उतारा था मौत के घाट

आरोपी ने शुरुआती जांच में हत्या की बात कबूली

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

- साहा थाना पुलिस ने चाकू मारने वाले मुख्य आरोपी वजीदपुर गांव के विकास को काबू किया
- पुलिस ने मामले में दो अन्य की भी गिरफ्तारी कर ली

होली पर चाकू से हत्या कर दिनारपुर गांव के गन्ने के खेत में फेंके गए बिहार के अररिया के अर्जुन के मामले की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। साहा थाना पुलिस ने चाकू मारने वाले मुख्य आरोपी वजीदपुर गांव के विकास को काबू किया है। साहा थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि आरोपी से पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह छीना झपटी के इरादे से अपने दो अन्य साथियों के संग बाइक पर था, तभी साइकिल से गुजर रहे अर्जुन को छीनाझपटी के इरादे से रोका था। विरोध करने पर उस पर चाकू से वार किए थे। आरोपी एक फैक्टरी में मजदूरी करता है। उधर पुलिस ने इस मामले में दो अन्य आरोपियों की भी गिरफ्तारी कर ली है लेकिन अभी तक उसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। बता दें कि दिनारपुर गांव में बस अड्डा के पास गन्ने के खेत में होली वाले दिन अर्जुन का शव मिला था। युवक की छाती व पेट पर चाकूनुमा हथियार से कई वार थे जिससे आंतें तक बाहर निकल गई थी। मृतक शादीशुदा था व दिनारपुर गांव में गन्ने की छिलाई का काम करता था। पुलिस ने कैंट के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजन शव को बिहार ले गए हैं। वहीं उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कैथल। दोनों आरोपी स्पेशल डिटेक्टिव युनिट पुलिस गिरफ्त में।

अवैध पिस्तौल व 4 जिंदा रौंद सहित आरोपी काबू

कैथल। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट की टीम ने एक आरोपी को अवैध देशी पिस्तौल व 4 जिंदा कारतूस सहित काबू कर लिया गया। आरोपी से पूछताछ उपरांत उसको असला सप्लाई करने वाले आरोपी को भी तुरंत काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई मुकेश की अगुवाई में एचसी हरीश कुमार की टीम गश्त दौरान एनएच 152 चंदाना कट के पास मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि गांव पाई निवासी नरेश उर्फ फिकर गांव बाता से बालू रोड पर रजबाहा पुलिया के पास अवैध हथियार सहित खड़ा है। जिसे दबिश देकर काबू किया जा सकता है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत उक्त स्थान पर दबिश दी गई। उक्त स्थान पर रजबाहा पुलिया पर बैठे युवक द्वारा पुलिस टीम को देखकर गांव बालू की तरफ भागने का प्रयास किया गया, जिसे सतर्क पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान गांव पाई निवासी नरेश कुमार उर्फ फिकर के रूप में हुई। जांच दौरान आरोपी के कब्जे से एक देशी पिस्तौल (315 बोर) तथा 4 जिंदा कारतूस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना कलायत में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एचसी देवेंद्र द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने मंत्री के जल्द स्वस्थ होने की कामना की

विज का सिविल सेवा परीक्षा में 243वां रैंक हासिल करने वाले मुकुल ने भी आशीर्वाद लिया

विधानसभा अध्यक्ष ने परिवहन मंत्री अनिल विज का जाना हालचाल

हरिभूमि न्यूज ⏭अंबाला

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के अंबाला छावनी स्थित आवास पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने पहुंच उनका हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान दोनों नेताओं में चर्चा भी हुई। विज के आवास पर सिविल सेवा परीक्षा में 243वां रैंक हासिल करने वाले अंबाला छावनी के मुकुल जिंदल ने भी आशीर्वाद लिया। मुकुल के पिता सुमित जिंदल सहित अन्य भी मौजूद रहे। स्वतंत्रता सेनानी के प्रपौत्र मुकुल की सफलता पर मंत्री विज ने लड्डू खिलाते शुभकामनाएं दी।

अंबाला। विस अध्यक्ष मंत्री अनिल विज से मुलाकात करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

जनसेवा कार्यों में लौटाने की कामना की

उन्होंने कहा कि यह सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे अंबाला के लिए गर्व का विषय है। गौरतलब है कि मुकुल ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की है और सिविल सेवा परीक्षा (यूपीएससी) उत्तीर्ण की है। मंत्री अनिल विज के आवास पर अंबाला फुटबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्री अनिल विज का हालचाल जाना व उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान बीएस बिंद्रा, अरुण कांत, अरविंद, केपी सिंह सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मंत्री से पूर्व श्रम मंत्री अनूप धानक, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, रोहतक से भाजपा नेता पदम ढुल सहित कई राजनेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली व जल्द स्वस्थ होकर जनसेवा कार्यों में लौटाने की कामना की। मंत्री अनिल विज का हालचाल जानने पहुंचे संत विकास दास महाराज ने उनकी प्रशंसा करते हुए "अनिल विज फिर से तेरी मेहनत रंग लाएगी .... पंक्तियां गुनगुनाई।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
विशेष
अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस
P-1
रोहतक,रविवार 8 मार्च 2026

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंग्लुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

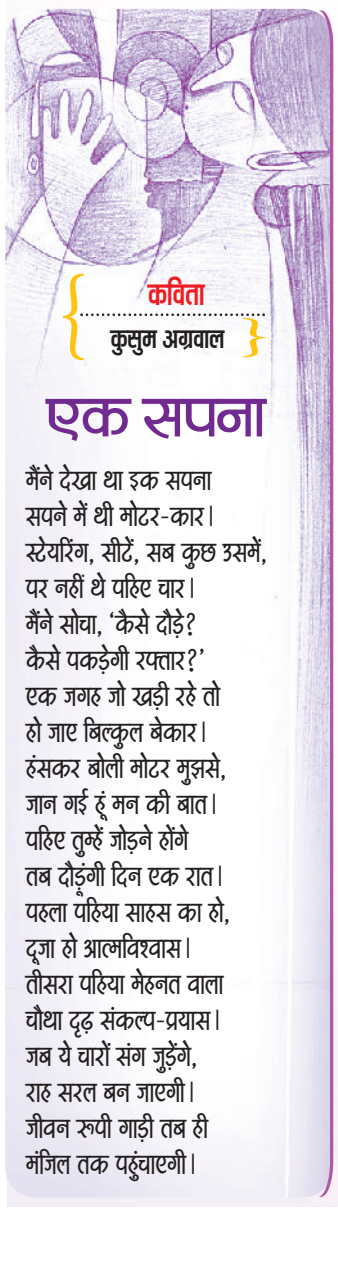

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं !

शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

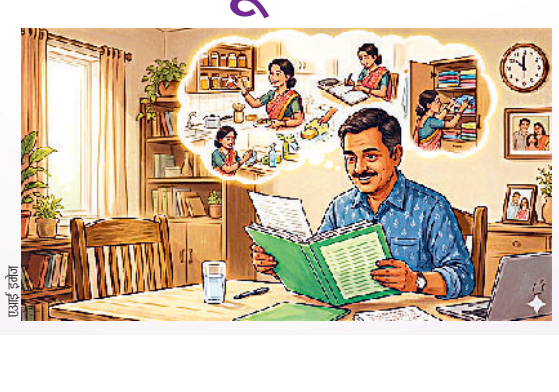
एआई इमेज

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुंशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

विगत 5 मार्च से आरंभ हुआ गोवा का शिग्मो उत्सव, आगामी 18 मार्च तक आयोजित होगा। यह गोवा की सांस्कृतिक पहचान है। यह उत्सव स्थानीय निवासियों की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और उन्हें अपनी परंपरा पर गर्व करने का अवसर भी देता है। इस उत्सव की कुछ प्रमुख विशेषताओं पर एक नजर।

गोवा की लोक-संस्कृति का रंगोत्सव शिग्मो

सांस्कृतिक पर्व

धीरज बसाक

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित गोवा, अपनी समुद्र तटीय सुंदरता के कारण पर्यटकों के बीच जितना लोकप्रिय है, उतना ही अपने समृद्ध लोक संस्कृति के कारण भी यह प्रसिद्ध है। गोवा लोक संस्कृति का सबसे समृद्ध घर माना जाता है और इस समृद्ध लोक संस्कृति का सबसे जीवंत और रंगीन प्रतीक है शिग्मो फेस्टिवल या शिग्मो उत्सव। शिग्मो उत्सव केवल एक वार्षिक पर्व भर नहीं है, बल्कि गोवा के ग्रामीण जीवन, लोक परंपराओं, लोक नृत्यों और ऐतिहासिक स्मृतियों का संवेदनशील और सामूहिक उत्सव भी है।

वसंत के आगमन का उत्सव

वास्तव में शिग्मो, गोवा का पारंपरिक वसंत उत्सव है, जो होली से शुरू होकर चैत्र माह में एक पखवाड़े तक मनाया जाता है। इसलिए शिग्मो उत्सव को गोवा की लोक आत्मा का उत्सव कहते हैं। क्योंकि इसमें यहां के किसान, मजदूर और ग्रामीण समुदायों की जीवनशैली, उनकी आस्था और उनकी ऐतिहासिक चेतना पूरी भव्यता के साथ अभिव्यक्त होती है। शिग्मो का अर्थ है शिशिरोत्सव अर्थात शीत ऋतु के अंत और वसंत के आगमन का उत्सव। यह पर्व प्राचीन काल से गोवा के कुछ समुदायों द्वारा मनाया जाता रहा है। फसल कटाई के बाद जब किसान अपनी मेहनत के फल से संतुष्ट होते हैं तो प्रकृति और देवताओं के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए शिग्मो उत्सव मनाते हैं।

एक हजार साल पुराना उत्सव

इतिहासकारों के मुताबिक शिग्मो उत्सव मनाने की परंपरा कम से कम 1000 साल पुरानी है। पुर्तगाली शासन के दौरान भी गोवा के स्थानीय लोगों ने इस उत्सव को अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में बनाए रखा। वास्तव में यह उत्सव गोवा के हिंदू समुदाय के लिए विशेष मायने रखता है। लेकिन इसकी लोक-रंगत और सांस्कृतिक आकर्षण के कारण आज इसमें सभी समुदायों की भागीदारी होती है।

कई लोकनृत्यों का आयोजन

शिग्मो उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें पारंपरिक लोकनृत्य और संगीत के भव्य आयोजन होते हैं। इन नृत्यों में गोवा के ग्रामीण जीवन, युद्ध कथाओं, पौराणिक प्रसंगों और सामाजिक घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है। शिग्मो उत्सव में शामिल प्रमुख लोक नृत्यों में घोड़े मोदनी नृत्य सबसे प्रमुख है। वास्तव में यह योद्धाओं का नृत्य होता है। माना जाता है कि प्राचीनकाल में विजयी योद्धा, घोड़ों पर सवार होकर नृत्य किया करते थे। लेकिन आज लोक कलाकार घोड़े की मुखाकृति के मुखौटे पहनकर और हाथ में तलवार लेकर नृत्य करते हैं। यह नृत्य वास्तव में गोवा के गौरवमयी इतिहास का प्रतीक है। इस उत्सव का दूसरा प्रमुख नृत्य हैं-रोमातामेल। यह सामूहिक नृत्य है, इसमें कलाकार ढोल, ताशा और झांझे की धुन पर नाचते हैं। इनके अलावा जो प्रमुख नृत्य इस उत्सव में खूब देखने को मिलते हैं, उसे फुगड़ी और जागर नृत्य कहते हैं। ये नृत्य गोवा के ग्रामीण और आदिवासी जीवन को दर्शाते हैं। इन प्रमुख नृत्यों के माध्यम से गोवा में लोग शिग्मोत्सव में सदियों से चली आ रही अपनी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करते हैं।

निकलती हैं भव्य झांकियां

शिग्मो उत्सव के दौरान गोवा के प्रमुख शहरों जैसे पणजी, मडगांव, वास्को, पोंडा और मापुसा में भव्य शोभा यात्राएं भी निकाली जाती हैं। इन शोभा यात्राओं में रंग-बिरंगी झांकियां होती हैं, जो पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक घटनाओं और सामाजिक विषयों को दर्शाती हैं। इन झांकियों में रामायण और महाभारत के दृश्य, गोवा के लोक देवताओं की कथाएं, पर्यावरण संरक्षण व सामाजिक जागरूकता के संदेश दिए जाते हैं। यह परंपरा आधुनिक, सामाजिक चेतना का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करती है।

ग्रामीण और शहरी शिग्मो

ग्रामीण और शहरी शिग्मो उत्सव वैसे एक-दूसरे से थोड़े भिन्न होते हैं, लेकिन ये दो रूप भले अलग हों, लेकिन उनकी आत्माएं एक होती हैं। इन दो अलग-अलग यानी शहरी और ग्रामीण शिग्मो को क्रमशः धाकटो शिग्मो यानी छोटा शिग्मो और व्हाडलो शिग्मो यानी बड़ा शिग्मो कहा जाता है। छोटा शिग्मो ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया जाता है, जो ज्यादा पारंपरिक होता है और बड़ा शिग्मो, शहरी क्षेत्रों में आयोजित होता है और इसमें बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक झांकियां और शोभा यात्राएं निकाली जाती हैं। ग्रामीण शिग्मो में ज्यादा पारंपरिक और धार्मिक तत्व शामिल होते हैं, जबकि शहरी शिग्मो में पर्यटन और बहु-सांस्कृतियों का प्रदर्शन अधिक होता है, क्योंकि शहरी शिग्मो में बड़े पैमाने पर यहां आने वाले पर्यटक भी हिस्सा लेते हैं।

संस्कृति-संरक्षण का माध्यम

शिग्मो उत्सव केवल एक पारंपरिक लोक त्योहार भर नहीं बल्कि गोवा की सांस्कृतिक धड़कन है। शिग्मो के रंग, संगीत और नृत्य गोवा के लोगों की आत्मा को अभिव्यक्त करते हैं। इसके जरिए पीढ़ियों से चली आ रही लोक परंपराओं को संरक्षण मिलता है। यह विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सहयोग की भावना बढ़ाता है। यह महोत्सव युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ता है। आज के आधुनिक और वैश्विक युग में जब कई पारंपरिक उत्सव अपनी पहचान खो रहे हैं, तब शिग्मो उत्सव गोवा की सांस्कृतिक निरंतरता का पर्याय बन गया है। *

क्या आप अपने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करते हैं, लेकिन इसे प्राप्त नहीं कर पाते? ऐसे में यह जानना बहुत जरूरी है कि किन वजहों से आप अपने लक्ष्य से दूर रह जाते हैं और किन बातों का ध्यान रखकर अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जानिए।

आप क्यों रह जाते हैं अपने लक्ष्य से दूर

सेल्फ मोटिवेशन

शिखर चंद जैन

कई लोग प्लान बनाते हैं, लक्ष्य भी तय करते हैं, लेकिन उन्हें कभी अचीव ही नहीं कर पाते। हम सभी जानते हैं कि जीवन में सफलता की पहली सीढ़ी है- लक्ष्य का निर्धारण। लक्ष्य वह मार्गदर्शक है, जो हमें भीड़ में खोने से बचाता है और चुनौतियों से लड़ने का साहस देता है। किसी भी महान कार्य की शुरुआत एक छोटे से संकल्प से ही होती है, जो आगे चलकर एक स्पष्ट लक्ष्य का रूप ले लेता है।

सोचना पर्याप्त नहीं: 'मैं यह करना चाहता हूं' ऐसा सोचकर लक्ष्य बनाना काफी नहीं है। स्पष्टता ही लक्ष्य की प्राप्ति में सफलता की पहली शर्त है। जब आप गहराई से समझ लेते हैं कि आप कौन हैं, आप वास्तव में क्या चाहते हैं और आपको कहां पहुंचना है, तभी आप एक सामान्य व्यक्ति की तुलना में दस गुना अधिक व तेज उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि वह उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है।

स्वयं का करें आकलन: स्वास्थ्य, आनंद, रिश्ते और वित्तीय स्वतंत्रता, ये जीवन के चार स्तंभ हैं, जिन्हें संतुलित करके आप असाधारण सफलता पा सकते हैं। जब आप इन चार क्षेत्रों में से हर एक में खुद को 1 से 10 अंक देकर ईमानदारी से आकलन करते हैं तो आपको तुरंत समझ आने लगता है कि आपके जीवन की सबसे ज्यादा समस्याएं किस क्षेत्र से जुड़ी हैं? जाहिर है, वहीं जहां आपका स्कोर कम होता है। यानी उसी बिंदु पर सबसे अधिक फोकस करने की जरूरत होती है।

अपना दृष्टिकोण तय करें: लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में आपकी मानसिकता दो तरह की हो सकती है, समृद्धि का दृष्टिकोण या अभाव का दृष्टिकोण। समृद्धि का दृष्टिकोण आपको आत्मविश्वासी, सकारात्मक और समाधान केंद्रित बनाता है। आप दुनिया को अवसरों से भरा मानते हैं और यह विश्वास रखते हैं कि जीवन में आगे बढ़ने का अच्छा समय है। आप में यह जागरूकता बनी रहती है कि दुनिया में चुनौतियां हमेशा थीं, हैं और रहेंगी। मगर आप अपनी ऊर्जा इस बात पर केंद्रित रखते हैं कि क्या बेहतर किया जा सकता है? यह सोच आपको रचनात्मक, सक्रिय और लक्ष्य उन्मुख बनाती है। वास्तव में लक्ष्य केवल एक मंजिल नहीं, बल्कि ऐसा उत्तरदायित्व है, जो हमारे समय और ऊर्जा को सही दिशा देता है। जब इंसान की आंखों में एक स्पष्ट स्वप्न और उसे पाने का दृढ़ निश्चय होता है, तो वह साधारण से असाधारण बनने का सफर शुरू कर देता है। इसके विपरीत दूसरा दृष्टिकोण आपको सीमित कर देता है। इसमें आप किस्मत के भरोसे बैठ जाते हैं और तरह-तरह के बहाने बनाने लगते हैं। इस दृष्टिकोण से कभी कुछ हासिल नहीं हो पाता है।

लक्ष्य पर शिद्दत से टिके रहें: अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि आप इन्हें क्यों हासिल करना चाहते हैं? अगर यह केवल सतही कारणों से या दूसरों की उम्मीद पर खरा उतरने के लिए है तो आप उसके प्रति गंभीर नहीं हो पाएंगे। इसकी बजाय स्पष्ट रूप से यह जानें कि इन लक्ष्यों का आपके आर्थिक, शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, पारिवारिक या व्यक्तिगत जीवन पर क्या असर पड़ने वाला है? इससे आपको अपने लक्ष्य पर टिके रहने का हौसला मिलेगा।

मुश्किल लक्ष्यों को आसान बनाएं: अपने लक्ष्यों को सफल बनाने के लिए उन्हें स्पष्ट और छोटे हिस्सों में विभाजित कर लें। उन्हें प्रबंधनीय और ठोस कदमों में विभाजित करें। साथ ही अपने लक्ष्यों को निर्धारित समय और प्राथमिकता दें। उन्हें अपने कैलेंडर में किसी महत्वपूर्ण बैठक की तरह रखें और तय समय पर उन्हें पूरा करने की कोशिश करें। हां, अपने संकल्पों के रास्ते में जरा लचीले भी रहें, क्योंकि जीवन में हमेशा उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। योजनाओं में आवश्यकता के अनुसार बदलाव करें। किसी गलती या असफलता पर झुंझलाने या हार मानने की बजाय खुद को माफ करें और आगे बढ़ें। अपनी प्रगति की समीक्षा भी करते रहें। *

समझ लें सटीक फॉर्मूला

आपके लक्ष्य छोटे हों या बड़े, उनमें सफलता जरूर मिलेगी अगर आप अपने लक्ष्य को निर्धारित करने और उसे पाने का सही फॉर्मूला जान लें। इसके लिए कुछ बातों को समझ लें।

- लक्ष्य की कोई डेडलाइन ना हो तो वह सिर्फ एक कल्पना या सपना मात्र बनकर रह जाता है। इसलिए हर लक्ष्य की एक समय सीमा तय करें।
- लक्ष्य और समय सीमा तय हो जाए तो वह आपका उद्देश्य बन जाता है। इसे पूरा करने की योजना बनाएं।
- लक्ष्य पाने के लिए आपको निरंतरता का भी ध्यान रखना होगा। यानी आपको नियमित रूप से अपने लक्ष्य को हासिल करने में जुटा रहना पड़ेगा।

जानकारी

अंजू जैन

आजादी के बाद, भारत में तेजी से विकसित हो रहे सरकारी औद्योगिक उपक्रमों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता थी, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण थे। इसके लिए एक मजबूत सुरक्षाबल की जरूरत महसूस की गई। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च 1969 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यानी सीआईएसएफ (सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) की स्थापना की गई। भारत की संसद के एक अधिनियम द्वारा इसका गठन किया गया, जो केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करता है। इस सुरक्षा बल का ध्येय वाक्य है-संरक्षण और सुरक्षा।

आगामी 10 मार्च को सीआईएसएफ का 57वां स्थापना दिवस मनाया जाएगा। देश की महत्वपूर्ण धरोहरों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के योगदान और भूमिका पर एक नजर।

धरोहरों-औद्योगिक प्रतिष्ठानों का रक्षक सीआईएसएफ

प्रमुख कार्य

अपने नाम के मुताबिक ही सीआईएसएफ का प्रमुख आरंभिक कार्य औद्योगिक सुरक्षा ही था। सरकारी कारखानों, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और बिजली संयंत्रों की सुरक्षा का जिम्मा इस बल को दिया गया। बाद में समय-समय पर इसकी जिम्मेदारियां बढ़ती गईं। आगे चलकर यह अर्धसैन्यबल हवाई अड्डों, बंदरगाहों और मेट्रो की सुरक्षा कार्य भी करने लगा। इस बल के जवान देश की ऐतिहासिक इमारतों, स्मारकों और धरोहरों जैसे-लाल किला, ताजमहल आदि की रक्षा भी करते हैं। वीआईपी सुरक्षा के तहत विशिष्ट व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करना भी इनकी जिम्मेदारी में शामिल है।

बढ़ता संख्या बल

जब 1969 में सीआईएसएफ की शुरुआत हुई थी, तब इसमें सिर्फ 2,800 जवान थे। आज यह दुनिया के सबसे बड़े सुरक्षा बलों में से एक है, जिसमें 2,00,000 (दो लाख) से भी ज्यादा जवान शामिल हैं।

आग बुझाने में भी माहिर

सीआईएसएफ के पास अपना एक खास 'फायर विंग' भी है। यह भारत का अकेला ऐसा सुरक्षा बल है, जिसके पास फैक्ट्रियों और उद्योगों में आग बुझाने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित टीम होती है।

स्मार्ट डॉग स्क्वाड

सीआईएसएफ के पास बहुत ही स्मार्ट डॉग्स की तेजतर्रार स्क्वाड भी है। इनके डॉग्स इतने ट्रेंड होते हैं कि वे छिपी हुई खतरनाक चीजों का पलक झपकते ही पता लगा लेते हैं। कई बार सीआईएसएफ के डॉग स्क्वॉड ने शातिर किस्म की साजिशों का भंडाफोड़ किया है।

एयरपोर्ट सुरक्षा में संलग्न

देश के तमाम एयरपोर्ट्स पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को उनकी विशिष्ट विशेषज्ञता, उन्नत तकनीक के कारण तैनात किया गया है। वे हवाई अड्डे की सुरक्षा के विशेषज्ञ माने जाते हैं, जो यात्रियों की तलाशी, सामान की स्क्रीनिंग और आतंकवाद विरोधी अभियानों में उच्च दक्षता प्रदान करते हैं। इन सैनिकों को विशेष रूप से नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सामान्य पुलिस या दूसरे अर्धसैनिक बलों के प्रशिक्षण से अलग होती है। सन् 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण के बाद, भारत सरकार ने सुरक्षा मजबूत करने के लिए हवाई अड्डों की सुरक्षा सीआईएसएफ को सौंपने का निर्णय लिया। इसकी शुरुआत फरवरी 2000 में जयपुर हवाई अड्डे से की गई। ये अर्धसैनिक, आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके यात्रियों की गहन तलाशी और हैंड बैगेज की जांच सुनिश्चित करते हैं, जो एयरपोर्ट सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। ये अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा मानदंडों का पालन करते हैं, जो अन्य सुरक्षा बलों की तुलना में अधिक उपयुक्त हैं। साथ ही इस बल के जवान संभावित खतरों के लिए 24X7 निगरानी करते हैं और त्वरित प्रतिक्रिया टीम के साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने में सक्षम होते हैं। ये एयरपोर्ट के संवेदनशील क्षेत्रों में असामाजिक तत्वों को पकड़ने और किसी भी प्रकार की तस्करी को रोकने में भी माहिर होते हैं। वर्तमान में 70 से अधिक एयरपोर्ट्स पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती है। यद्यपि अब देश के लगभग 60 हवाई अड्डों पर गैर-प्रमुख ड्यूटी के लिए निजी सुरक्षा गार्ड्स भी लगाए जा रहे हैं, लेकिन प्रमुख सुरक्षा और स्क्रीनिंग का काम अभी भी मुख्य रूप से सीआईएसएफ ही करती है। *

महिलाएं भी नहीं हैं पीछे

देश के अन्य सुरक्षा बलों पुलिस, पीएसी, बीएसएफ और सशस्त्र सैन्य (थल सेना, वायु सेना और नौसेना) बलों की तरह ही सीआईएसएफ में भी महिलाएं अपनी सेवाएं दे रही हैं। वर्तमान में इस अर्धसैन्य बल में लगभग साढ़े बारह हजार यानी आठ प्रतिशत महिलाएं तैनात हैं। सरकार का लक्ष्य जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर दस प्रतिशत करने का है। मुख्य तौर पर महिलाएं एविएशन सुरक्षा, क्विक रिएक्शन टीम और सीआईएसएफ कमांडो टीम में शामिल होकर अपनी सेवाएं दे रही हैं। किसी भी अन्य सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस की तुलना में सीआईएसएफ में सबसे अधिक महिलाएं कार्यरत हैं।

स्त्रियों के संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों का विषय बनाया जाता रहा है। आज महिला दिवस के अवसर पर हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बता रहे हैं, जिनमें स्त्री संघर्ष और उसके सशक्तिकरण को प्रमुखता से उभारा गया है।

फिल्मों में खूब दिखीं महिला संघर्ष-शक्ति की कहानियां

सिने ट्रेंड

अशोक जोशी

हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा में स्त्रियों का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिन दिनों सिनेमा की शुरुआत हो रही थी, उसमें महिलाओं का काम करना अघोषित रूप से प्रतिबंधित माना जाता था। तब पुरुष कलाकार ही नारी का स्वांग भर पर्दे पर नजर आया करते थे। लेकिन कुछ समय बाद पर्दे पर नायिकाओं के पर्दापण से अब तक स्त्री कलाकार, सिनेमा का सबसे अनिवार्य हिस्सा बन गई हैं। फिल्मों में समय-समय पर नारी जीवन से जुड़ी समस्याएं, संघर्ष और उनके सशक्तिकरण जैसे विषयों को गंभीरता से प्रदर्शित किया जाता रहा है।

बेमेल विवाह की समस्या: हिंदी सिनेमा में वी. शांताराम, नारी समस्याओं को पर्दे पर सशक्त तरीके से उठाने वाले फिल्मकार थे। उनकी 1937 में प्रदर्शित फिल्म 'दुनिया न माने' बेमेल विवाह की समस्या पर केंद्रित थी। यह फिल्म स्त्रीत्व की गरिमा को बेहद खूबसूरती से उभारती है। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में प्राण फूंक दिए थे। नारी को भोग्या, चरणों की दासी और वस्तु मानने वालों को यह फिल्म प्रभावी सबक सिखाती है।

जातिगत विसंगतियों पर कटाक्ष: 1936 में प्रदर्शित फिल्म 'अछूत कन्या' सवर्ण लड़के और अछूत लड़की की एक दारुण प्रेम कहानी है। यह एक दुःखांत फिल्म है। इस वर्जित और उपेक्षित विषय को पहली बार फिल्म के माध्यम से लोगों के बीच लाने का साहसिक प्रयास किया गया था। इससे मिलते-जुलते विषय पर 1959 में विमल राय ने 'सुजाता' बनाई, जो फिर से अछूत युवती और सवर्ण युवक के प्रेम की कहानी है। विमल राय की यह फिल्म आजादी के बाद इस विषय पर बनाई गई पहली फिल्म थी। इस फिल्म के एक दृश्य में रवींद्रनाथ ठाकुर कृत नाटक 'चांडालिका' का मंचन किया जाता है। इस नाटक में भगवान बुद्ध अछूत स्त्री के हाथों से पानी पीते हैं और सभी जातियों की समानता को व्याख्यायित करते है। राजकपूर और मीना कुमारी की ख्वाजा अब्बास निर्देशित फिल्म 'चार दिल चार राहें' की कहानी भी ऐसे ही विषय के इर्द-गिर्द घूमती है। इसी क्रम में श्याम बेनेगल की फिल्में 'अंकुर', 'भुवन शोम', 'मृगया', 'भूमिका', 'मंडी', 'चक्र' आदि में हाशिए पर धकेल दी गई स्त्रियों की सामाजिक स्थिति की दर्दमय झांकी प्रस्तुत की गई हैं।

दिखे स्त्री संघर्ष के विविध रूप: हिंदी फिल्मकारों ने भारतीय स्त्री के सभी रूपों को अपनी फिल्मों में प्रस्तुत किया है। घरेलू स्त्री, कामकाजी स्त्री, किसान स्त्री, विवाहित और अविवाहित स्त्री, जुझारू स्त्री, संघर्षशील स्त्री और अन्याय, अत्याचार से लड़ने वाली स्त्री के कई रूप हिंदी फिल्मों में नजर आते रहे हैं। महबूब खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'औरत' और उसका संशोधित संस्करण 'मदर इंडिया' भारतीय नारी के संघर्ष और त्रासदी की महागाथा है, जिसमें ग्रामीण महाजनी सभ्यता की क्रूरता और अत्याचार से लड़ती हुई नारी की मार्मिक कहानी है। ग्रामीण सामंती अत्याचार से उत्पन्न डाकू समस्या को उजागर करने वाली फिल्मों में नारी की विवशता को 'मुझे जीने दो', 'गंगा जमुना', 'जिस देश में गंगा बहती है' और शेखर कपूर की 'बैंडिट क्वीन' में प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा गया है।

राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लज्जा' में समाज के अलग-अलग परिवेशों से आने वाली तीन स्त्री पात्रों के दारुण शोषण और मुक्ति के संघर्ष को दर्शाया गया है। इनकी ही फिल्म 'दामिनी' में बलात्कार से पीड़ित घर की एक नौकरानी को न्याय दिलाने की कहानी को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया गया है।

आर.के. बैनर की फिल्मों में स्त्री: राजकपूर द्वारा निर्मित-निर्देशित फिल्मों में भी स्त्री जीवन और संघर्ष के विविध रूप सामने आते हैं। 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली' जैसी फिल्मों में जहां नारी के संघर्ष की अलग-अलग दास्तानें दिखती हैं, वहीं 'प्रेमरोग' में आभिजात्य परिवार की विधवा युवती का विवाह सामान्य वर्ग के युवक से करवाकर सामाजिक विषमता को मिटाने की पहल की गई।

बी.आर. चोपड़ा की फिल्मों में स्त्री संघर्ष: फिल्मों में नारी की स्थिति का चित्रण करने में बी. आर. चोपड़ा का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। 1956 में उन्होंने फिल्म 'एक ही रास्ता' में विधवा विवाह करवाकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया। 'साधना' (1958) समाज में वेश्याओं की स्थिति और उसके प्रति सामाजिक नजरिए पर प्रकाश डालने में सफल रही। साल 1959 में उन्होंने अविवाहित मातृत्व की समस्या से जूझने वाली स्त्रियों के जीवन के बिखराव और उसकी परिणति को दर्शाने वाली सशक्त फिल्म 'धूल का फूल' का निर्माण किया। 'इंसाफ का तराजू' (1980) में बलात्कार से पीड़ित लड़की की कहानी को साहसिक रूप से प्रस्तुत किया। 1982 में फिल्म 'निकाह' में उन्होंने तलाक और हलाला जैसे विषयों को छूने का प्रयास किया।

नारी संघर्ष की दास्तान सुनाती कुछ और फिल्में: बॉलीवुड में स्त्रियों के संघर्ष और नारी सशक्तिकरण पर तमाम बेहतरीन फिल्में बनी हैं। 'खून भरी मांग', 'मृत्युदंड', 'वारिस', 'थप्पड़', 'कहानी', 'लापता लेडीज', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'नीरजा', 'क्वीन', 'गुलाब गैंग', 'इंग्लिश-विंग्लिश', 'पिंक', 'दंगल', 'छपाक', 'मर्दानी', 'गुंजन सक्सेना' जैसी कितनी ही फिल्में हैं, जो स्त्री संघर्ष, स्त्री सशक्तिकरण सहित स्त्री जीवन के विविध पहलुओं को छूती हैं। *